जीवन दर्शन

यदि आप वही करते हैं, जो आप हमेशा से करते आये हैं तो आपको वही मिलेगा, जो हमेशा से मिलता आया है।
-टोनी रॉबिंस

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड
LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

शुक्रवार 13 फरवरी, 2026 ■ वर्ष 15 ■ अंक 3 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

भारत लगातार दूसरा मैच जीता, नामीबिया 93 रन से हारा...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

घूसखोर पंडित शीर्षक पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती कहा- नया नाम बताओ

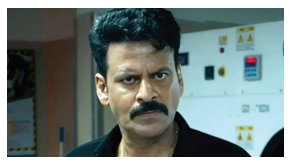

नई दिल्ली। अभिनेता मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म घूसखोर पंडित के शीर्षक को लेकर विवाद गहरा गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के निमार्ता-निर्देशक नीरज पांडे को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि ऐसे शीर्षक का इस्तेमाल कर समाज के किसी हिस्से को बदनाम नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक फिल्म का नया नाम प्रस्तुत नहीं किया जाता, तब तक इसकी रिलीज की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली थी। शीर्षक को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने मामले को गंभीरता से लिया और केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय तथा केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को भी नोटिस जारी किया है।

मोदी आज नए ऑफिस में शिफ्ट होंगे, सेवा तीर्थ के साथ कर्तव्य भवन 1-2 का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 फरवरी को नए प्रधानमंत्री ऑफिस सेवा तीर्थ में शिफ्ट होंगे। न्यूज एजेंसी के अनुसार, मोदी दोपहर करीब 1:30 बजे सेवा तीर्थ बिल्डिंग कॉम्पलेक्स के नाम का अनावरण करेंगे। फिर शाम करीब 6 बजे सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। कर्तव्य भवन-1 और 2 में केंद्र सरकार के मंत्रालयों के नए ऑफिस होंगे। वर्तमान में पीएमओ और मंत्रालयों के ऑफिस नई दिल्ली स्थित सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग के नॉर्थ और साउथ ब्लॉक में है। इन दोनों इमारतों को करीब 95 सालों से देश की सत्ता का केंद्र माना जाता रहा है। शुक्रवार को यहां सरकार के कामकाज का आखिरी दिन होगा।

दावा-किम जोंग ने 13 साल की बेटी को उत्तराधिकारी चुना

सिओल। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी 13 साल की बेटी किम जू ऐ को अपना उत्तराधिकारी चुन लिया है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने गुरुवार को सांसदों को दी गई जानकारी में यह दावा किया। दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने कहा कि किम जू ऐ की लगातार बढ़ती सार्वजनिक मौजूदगी को देखते हुए यह आकलन किया गया है। एनआईएस ने कहा कि उसने कई परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला है। आधिकारिक कार्यक्रमों में किम जू ऐ की प्रमुख उपस्थिति भी शामिल है। हाल के महीनों में जू ऐ कई बड़े कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आई हैं। सितंबर में बीजिंग दौरे के दौरान भी वह किम जोंग उन के साथ दिखी थीं।

भाजपा सांसद का राहुल की सदस्यता खत्म करने वाला नोटिस...

राहुल बोले- एफआईआर करें, मैं किसानों के लिए लड़ूंगा

नई दिल्ली ■

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। उन्होंने राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है।

दुबे ने कहा- सोरोस फाउंडेशन व देश को टुकड़े करने वाले ताकतों के साथ मिलकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी भारत का विभाजन करना चाहते हैं। मैंने लोकसभा के नियम 352(5) और नियम 353 के तहत उनकी सदस्यता रद्द करने व भविष्य में चुनाव नहीं लड़ने की पाबंदी का मोशन पेश किया। इसके जवाब में राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वीडियो के साथ पोस्ट कर कहा- एफआईआर हो, मुकदमा दर्ज हो या प्रिविलेज प्रस्ताव लाएं। मैं किसानों के लिए लड़ूंगा। जो भी ट्रेड डील किसानों की रोजी-रोटी छीने या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह किसान-विरोधी है। अन्नदाताओं के हितों से किसान-विरोधी मोदी सरकार को समझौता नहीं करने देंगे। इससे पहले, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें 4 फरवरी को लोकसभा स्पीकर के चैंबर में हंगामे का जिक्र है। रिजिजू ने दावा किया है कि विपक्षी सांसदों ने प्रियंका गांधी की मौजूदगी में गालियां दीं। हालांकि प्रियंका ने कहा कि गालियां देने वाली बात झूठी है। उन्होंने किसी को नहीं उकसाया। वे चुपचाप थीं। आखिर में केवल शांति से अपनी बात रखी थी।

कांग्रेस महंगाई पर मगरमच्छ के आंसू बहाती है

निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में कहा कि सरकार टैक्सपेयर्स का पैसा जिम्मेदारी से खर्च कर रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र के पास पैसों का कोई तालाब नहीं है। कांग्रेस महंगाई पर सिर्फ मगरमच्छ के आंसू बहाती है। उसे खर्च की चिंता है, जबकि हमें नतीजों की। पहले के बजट में योजनाओं की घोषणा होती थी, लेकिन पैसा जारी नहीं होता था और अब उसी का आरोप हम पर लगाया जा रहा है। बजट बनाते समय अतीत से सीखने की बात होती है, लेकिन अगर अतीत खराब रहा हो तो उसे याद रखना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि मिडल क्लास को सैंडविच बनाने का आरोप बेबुनियाद है। उनके पास इसका कोई सबूत नहीं है, जबकि हमारे पास आंकड़े हैं कि पिछले 10 वर्षों में मिडल क्लास की आय और स्थिति बेहतर हुई है। आज देश में पहले से ज्यादा लोग टैक्स दे रहे हैं। 2013-14 में टैक्स देने वालों की संख्या 5.26 करोड़ थी, जो 2024-25 में बढ़कर 12.13 करोड़ हो गई है।

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव नहीं आएगा

मीडिया सूत्रों के मुताबिक, सरकार राहुल के खिलाफ सदन में उनकी स्पीच के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस नहीं लाएगी। इस पर प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदीजी ने छाती 56 इंच की नपवाई थी। उनके खिलाफ भी प्रस्ताव आना चाहिए। बीजेपी उनके (राहुल) भाषण से आपत्तिजनक हिस्से हटाने को लेकर अब भी अड़ी हुई है, क्योंकि उन्होंने अब तक अपने आरोपों को लेकर सबूत पेश नहीं किए हैं। बीजेपी के चीफ व्हिप संजय जायसवाल ने राहुल के बजट चर्चा के दौरान कहे गए कुछ अंशों को रिकॉर्ड से हटाने का औपचारिक नोटिस दिया है।

114 नए राफेल खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी

फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों के भारत आने पर हो सकता है सौदा, 96 भारत में बनेंगे

नई दिल्ली ■

भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने गुरुवार को फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस डील की कीमत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपए बताई जा रही है। दसॉ एविएशन से 18 विमान उड़ने के लिए तैयार स्थिति में मिलेंगे। बाकी 96 भारत में बनेंगे। इनके 60% कलपुर्जे स्वदेशी होंगे। भारत का यह सबसे बड़ा रक्षा सौदा है।

अब यह प्रस्ताव अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के पास भेजा जाएगा। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के 17-19 फरवरी के 3 दिवसीय भारत दौरे पर सौदा हो सकता है। प्रस्ताव को 16 जनवरी को रक्षा खरीद बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नए राफेल

विमानों की खरीद से एयर डिफेंस और बॉर्डर एरिया में तैनाती की क्षमता मजबूत होगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी ने नेवी के लिए 6 अमेरिकी बोइंग P8-I सर्विलांस एयरक्राफ्ट, कॉम्बैट मिसाइलों और एयर-शिप बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स के प्रपोजल को भी मंजूरी दी है। इन सभी सौदों की कुल कीमत 3.60 लाख करोड़ रुपए है।

एचएएल से 2,312 करोड़ में 8 डोर्नियर विमान खरीदने की डील

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए आठ डोर्नियर 228 विमान खरीदने हेतु हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 2,312 करोड़ रुपये का समझौता किया है। यह समझौता गुरुवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में हुआ। यह खरीद बाय (इंडियन) श्रेणी के तहत की गई है। इन विमानों में ऑपरेशनल उपकरण लगे होंगे, जिससे तटरक्षक बल की क्षमता और समुद्री सुरक्षा मजबूत होगी। केंद्रीय बजट 2026-27 में रक्षा मंत्रालय को 7.8 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो कुल बजट का 14.67% है। आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित 2.19 लाख करोड़ रुपए में से 1.85 लाख करोड़ रुपए पूंजीगत खरीद के लिए तय किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 24% अधिक है।

ईशान-हार्दिक के तूफान के बाद स्पिनर्स की आंधी

टी-20 विश्व कप 2026 में पिछले मैच में अमेरिकी गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को फंसाया था, तो गुरुवार को नामीबिया के गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। हालांकि ईशान किशन (61) और हार्दिक पांड्या (52) ने अर्धशतक लगाकर भारत को 200 रन के पार पहुंचाया। नामीबिया जैसी कमजोर टीम के विरुद्ध जिस तरह से शुरूआत मिली थी, उससे लग रहा था कि भारतीय टीम टी-20 विश्व कप में श्रीलंका के 260 रन के रिकॉर्ड को तोड़ देगी, लेकिन टीम नौ विकेट पर जैसे तैसे 209 रन ही बना पाई। विस्तार से पेज 8 पर...

पुरी बोले-राहुल ने खुद को मूर्ख साबित किया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने आप को मूर्ख साबित कर लिया है। पुरी ने एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में एपस्टीन फाइल्स में अपना नाम आने और विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। हरदीप पुरी ने दावा किया कि जब वे काम से जुड़े मुद्दों पर अमेरिकी फाइनेंसर और बाल यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से मिले थे तो उन्हें असहजता महसूस हुई थी। उन्होंने कहा- मैंने एपस्टीन से मिलने की इच्छा नहीं जताई थी। ये मुलाकातें अरेंज की गई थीं। उन्होंने आगे कहा- दो मुलाकातों से किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मैं इस मामले में बेदाग हूं। उस समय तो मैं सरकार का हिस्सा भी नहीं था। इसलिए राहुल गांधी का यह कहना कि एपस्टीन फाइल्स की वजह से प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील में सरेंडर कर दिया, बिल्कुल गलत है।

बांग्लादेश: बीएनपी को बहुमत मिला, 159 सीटें जीतीं

ढाका ■

बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को बहुमत मिल गया है। पार्टी ने 299 सीटों में से 159 सीटों पर जीत दर्ज की है। बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय है। रहमान ने दो सीटों पर चुनाव लड़ा था, दोनों सीटों पर जीत हासिल हुई है।

वहीं जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 पार्टियों के गठबंधन को अब तक सिर्फ 45 सीटें मिली हैं। जमात चीफ शफीकुर रहमान ने ढाका-15 सीट से जीत दर्ज की है। 2 सीटों पर अन्य पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत हुई है। अब 206 सीटों के नतीजे सामने आए हैं।

आम चुनाव के लिए दोपहर 2 बजे तक 48% वोटिंग हुई। मतदान 4:30 तक चला। अभी कुल मतदान के आंकड़े आने बाकी हैं। बांग्लादेश में वोटिंग के दौरान कई जगहों पर झड़पें भी हुई। खुलना में एक वोटिंग सेंटर के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में एक बीएनपी नेता मोहिबुज्जमान कोच्चि की मौत हो गई। दूसरी तरफ मुंशीगंज-3 और गोपालगंज सदर इलाके में वोटिंग सेंटर के बाहर देसी बम फेंके गए। गोपालगंज सदर इलाके में धमाके से 3 लोग घायल हो गए थे।

इलॉन मस्क की एआई कंपनी चांद पर फैक्ट्री लगाएगी, इससे सूर्य की ऊर्जा कैप्चर होगी

वॉशिंगटन ■

दुनिया के सबसे अमीर इंसान इलॉन मस्क चांद पर एआई सैटेलाइट फैक्ट्री लगाएंगे। मस्क ने बताया कि वे इसके जरिए सूरज की ऊर्जा कैप्चर करना चाहते हैं। मस्क ने अपनी एआई कंपनी एक्सएआई की इंटरनल मीटिंग का 45 मिनट का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ये जानकारी सामने आई है।

मस्क ने कहा अगर हम आज की मानव सभ्यता की ऊर्जा खपत को देखें, तो हम पृथ्वी की संभावित ऊर्जा का केवल 1% हिस्सा ही इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर हम सूरज की कुल ऊर्जा का 10 लाखवां हिस्सा भी हासिल कर लें, तो वह आज की सभ्यता द्वारा उपयोग की जाने वाली ऊर्जा से करीब 10 लाख गुना ज्यादा होगी। सूरज हमारे सौर

मंडल के कुल द्रव्यमान का 99.8% है। अगर हमें सूरज की ऊर्जा का सही इस्तेमाल करना है, तो हमें पृथ्वी की सीमा से बाहर निकलना ही होगा।

'मास ड्राइवर' से डीप स्पेस में चांद से लॉन्च होंगे सैटेलाइट्स

हमारा अगला कदम 'अर्थ ऑर्बिटल डेटा सेंटर्स' है। हम स्पेसएक्स की मदद से हर साल 100 से 200 गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर्स अंतरिक्ष में लॉन्च करेंगे। उन्होंने कहा अगर हमें 1 टेरावॉट से भी आगे जाना है, तो चांद पर जाना होगा। मस्क ने बताया वे चांद पर ऐसी फैक्ट्रियां बनाएंगे जो एआई सैटेलाइट्स तैयार करेंगी। वहां एक 'मास ड्राइवर' भी लगाया जाएगा। यह चांद से एआई सैटेलाइट्स को सीधे डीप स्पेस में लॉन्च करेगा। इससे हम सूरज की ऊर्जा के कुछ प्रतिशत हिस्से तक पहुंच पाएंगे। मस्क का विजन असल में 'डाइसन स्फीयर' के कॉन्सेप्ट पर आधारित है। यह एक ऐसा विशाल ढांचा होता है जो ऊर्जा को कैप्चर करने के लिए पूरे सूरज को चारों तरफ से ढक लेता है। मस्क चांद पर 'मास ड्राइवर' के जरिए जो एआई सैटेलाइट्स भेजेंगे, वे धीरे-धीरे सूरज के चारों ओर ऐसा ही एक जाल या घेरा बनाएंगे।

अरावली को छूने की किसी को नहीं मिलेगी अनुमतिः सुप्रीम' रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हरियाणा सरकार के अरावली क्षेत्र में प्रस्तावित जू सफारी प्रोजेक्ट को अनुमति देने से इंकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि अरावली को किसी भी कीमत पर छूने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की खंडपीठ ने कहा कि जू सफारी से जुड़े मामले को तब ही देखा जाएगा जब अरावली रेंज की परिभाषा विशेषज्ञों द्वारा स्पष्ट कर दी जाएगी। हरियाणा सरकार की ओर से पेश वकील ने बताया कि उन्होंने प्रोजेक्ट की डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट को 10,000 एकड़ से घटाकर 3,300 एकड़ किया है और इसे केंद्रीय सशक्त समिति को प्रस्तुत करना चाहते हैं। खंडपीठ ने कहा हम विशेषज्ञ नहीं हैं। अरावली की परिभाषा विशेषज्ञ तय करेंगे।

व्यंग्य : मोदी पर पत्थर से पहले राहुल देखें अपने शीशे के घर..!

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

'ना मोदी से प्रेम, ना राहुल से बैर' के आधार पर कड़वा सच तो यही है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हर बार बोलवचन में प्रधानमंत्री मोदी ही निशाने पर रहते हैं, लेकिन मोदी पर आलोचना के पत्थर उछालने से पहले राहुल गांधी को ध्यान रखना चाहिए कि खुद घोटाले में घिरे हैं और कांग्रेस पार्टी के घर शीशे के हैं अर्थात कांग्रेस के पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गांधी ने क्या किया था, वे राज भी बाहर आ सकते हैं और आ गए हैं..?

मोदी या नेहरू, इंदिरा सरेंडर : राहुल को हटाओ : ना रहे बांस, ना बजे बांसुरी ..?

प्रधानमंत्री मोदी पर फिर ' देश बेचने ' का आरोप लगाने के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के ऐसे आरोप की हवा बीजेपी ने निकाल दी और पुराने रिकॉर्ड के आधार पर बता दिया कि देश बेचने का काम कांग्रेस के पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गांधी ने किया.एक प्रमुख मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीजेपी ने कुछ ऐतिहासिक किताबों का जिक्र करते हुए दावा किया कि नेहरू और इंदिरा गांधी ने निजी स्वार्थ में देश को वह सब कुछ पाने से रोका, जिसकी हमें जरूरत थी.आखिर किताब के इन पन्नों में लिखा क्या है..? जवाब यही है कि नेहरू ने चीन के लिए कालीन बिछाया और देश के खुफिया तंत्र को विकसित नहीं होने दिया. इसके साथ ही डेनियल पैट्रिक मोयनिहान के 1978 के संस्मरण अनुसार इंदिरा गांधी पर आरोप रहे कि उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए विदेशी खुफिया एजेंसियों से अपवित्र गठबंधन किया. राजदूत मोयनिहान का आरोप था कि सीआईए ने

सत्तारूढ़ कांग्रेस को धन उपलब्ध कराया था और सीधे पैसा इंदिरा गांधी को दिया था जब वे पार्टी की अध्यक्ष थीं. इधर संसद में अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भी राहुल गांधी की कड़ी आलोचना की और कहा वर्ल्ड ट्रेड आर्गेनाइजेशन में 2013 में टीएफए डील कर कांग्रेस ने सरेंडर किया था और किसानों के हित बेच दिए थे, हालांकि 2014 मोदी सरकार ने उस डील में बदलाव कर किसानों का हित सुरक्षित किया.खैर प्रधानमंत्री मोदी को कोसने और देश बेचने एवं कई बेबुनियाद आरोपों पर बीजेपी पहले राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने वाली थी, लेकिन उसे निरस्त कर अब बीजेपी सांसद दुबे द्वारा जारी ' सब्सटेंटेटिव मोशन नोटिस ' में मांग की गई है कि राहुल गांधी की सदस्यता निलंबित करो और आजीवन चुनाव लड़ने से रोका जाए यानी ' ना रहेगा बांस, ना बजेगी बांसुरी ' लेकिन क्या यह संभव है..? जवाब है कि यह स्वतंत्र प्रस्ताव है इसमें स्पीकर नियम 342 के तहत वोटिंग करा सकते हैं और वोटिंग राहुल गांधी के विरुद्ध रही तो सदस्यता जा भी सकती है और ऐसा हुआ तो नेता प्रतिपक्ष से भी हटना होगा, लेकिन आजीवन चुनाव से रोकने का विशेष कानून अभी नहीं है, लेकिन बिना प्रमाण कुछ भी बोलना राहुल गांधी को भारी पड़ सकता है फिर भी सवाल कि क्या उनमें सुधार होगा..?

एअर इंडिया प्लेन क्रैश, मृतकों के परिवार के सामने शर्त

एयरलाइन बोली- 25 लाख लेकर सेटलमेंट करो

लंदन/नई दिल्ली ■

एअर इंडिया ने अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अंतिम मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, एयरलाइन ने इसके लिए पीड़ित परिवारों के सामने एक शर्त रखी है। न्यूज एजेंसी के अनुसार, एअर इंडिया ने कहा कि जो परिवार अंतिम मुआवजा स्वीकार करेंगे, उन्हें वादा करना होगा कि वे भविष्य में एअर इंडिया, विमान निमार्ता और सरकारी एजेंसियों के खिलाफ कोई दावा नहीं करेंगे।

सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन अंतिम मुआवजे के तौर पर 25 लाख तक देगी। हालांकि, कानूनी प्रावधानों और व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर अंतिम मुआवजे की राशि हर परिवार के लिए अलग-अलग होगी। एयरलाइन का बयान सामने आने से पहले लंदन के अखबार ह्यद इंडिपेंडेंट' की एअर इंडिया पर एक रिपोर्ट आई थी। इसमें दावा किया गया था कि एअर इंडिया ने पीड़ित परिवार को केस करने का अधिकार छोड़ने का ऑफर दिया है। गुजरात के अहमदाबाद में 12 जून 2025 को एअर इंडिया का एआई17 प्लेन क्रैश हुआ था।

ड्रेस तथा कॉपी-किताबों किसी एक दुकान/विक्रेता/संस्था विशेष से क्रय करने हेतु स्कूल संचालक नहीं कर सकेंगे बाध्य

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) के तहत स्कूल संचालकों, प्रकाशकों एवं विक्रेताओं की एकाधिकारी प्रवृत्ति को खत्म करने तथा लोक प्रशान्ति विक्षुब्ध होने से रोकने हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार विद्यालय संचालक/प्राचार्य स्कूल में संचालित प्रत्येक कक्षा के लिये अनिवार्य पुस्तकों की सूची विद्यालय की परीक्षा परिणाम जारी होने के पूर्व ही अपने स्कूल की वेबसाईट पर अनिवार्य रूप से अपलोड करेंगे एवं विद्यालयीन परिसर में सार्वजनिक पटल/स्थान पर चस्पा करेंगे। विद्यालय संचालक/प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को पुस्तकें एवं कापियां, सम्पूर्ण यूनिफार्म आदि सम्बन्धित स्कूल/संस्था अथवा किसी एक दुकान/विक्रेता/संस्था विशेष से क्रय किये जाने हेतु बाध्य नहीं किया जायेगा। मान्यता

नियमों के अन्तर्गत स्कूल की स्वयं की वेबसाईट होना अनिवार्य है। स्कूल के प्राचार्य / संचालक पुस्तकों की सूची की एक प्रति प्रवेशित अभिभावकों को प्रवेश के समय एवं परीक्षा परिणाम के समय आवश्यक रूप से उपलब्ध करायेंगे एवं कम से कम 03 पुस्तक/यूनिफार्म विक्रेताओं का नाम सत्र प्रारंभ होने के 02 माह पूर्व वेबसाईट पर अपलोड कराना सुनिश्चित करेंगे।

विद्यालय संचालक/प्राचार्य विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकों को सूचीबद्ध पुस्तकें परीक्षा परिणाम अथवा उसके पूर्व क्रय हेतु बाध्य नहीं करेंगे। अभिभावक पुस्तकों की उपलब्धता के आधार पर 15 जून 2026 तक क्रय कर सकेंगे। विद्यालय जिस नियामक बोर्ड सी.बी.एस.ई./आई.सी.एस.ई./एम.पी.बी.एस.ई./माध्यमिक शिक्षा मण्डल आदि से संबद्ध है, उस संस्था के द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम एवं उस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत नियामक संस्था अथवा उसके द्वारा विधिक रूप से अधिकृत एजेंसी (यया एनसीईआरटी, म०प्र० पाठ्य पुस्तक निगम आदि) द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित पुस्तकों के अतिरिक्त अन्य प्रकाशकों/मुद्रकों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पुस्तकों को विद्यालय में अध्यापन हेतु प्रयुक्त किया जाना प्रतिबंधित रहेगा। विद्यालय संचालक/प्राचार्य सुनिश्चित करेंगे कि उक्त के अतिरिक्त अन्य विषयों जैसे नैतिक शिक्षा, सामान्य ज्ञान, कम्प्युटर आदि की निजी प्रकाशकों/मुद्रकों की पुस्तकें क्रय करने हेतु बाध्य नहीं किया जायेगा। विद्यालय संचालक/प्राचार्य/पालक शिक्षक बैठक सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी स्थिति में पुस्तकों के निजी प्रकाशक/मुद्रक/विक्रेता स्कूल परिसर के भीतर प्रचार प्रसार हेतु किसी भी स्थिति में प्रवेश नहीं करें। विद्यालय संचालक/प्राचार्य विक्रेता द्वारा पुस्तकों के सेट की कीमत बढ़ाने हेतु अनावश्यक सामग्री जो निर्धारित पाठ्यक्रम से संबंधित नहीं है, का समावेश सेट में नहीं किया जायेगा। कोई भी विक्रेता किसी भी कक्षा के पूरे सेट को क्रय करने की बाध्यता नहीं रखेगा। यदि किसी विद्यार्थी को पुरानी किताबें उपलब्ध हो तो उसे जिसकी आवश्यकता है, केवल उन किताबों को विक्रेता द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। नोट्स बुक (कॉपी) पर ग्रेड, किस्म, साईज, मूल्य, पृष्ठ संख्या की जानकारी स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए। किसी भी पुस्तक अथवा कापी पर विद्यालय का नाम मुद्रित नहीं किया जायेगा तथा इन पर चढ़ाने वाले कवर पर विद्यालय नाम को मुद्रित नहीं किया जायेगा। कोई भी विद्यालय दो से अधिक प्रकार की यूनिफार्म निर्धारित नहीं करेगा। ब्लेजर/स्वेटर इसके अतिरिक्त होगा। विद्यालय प्रशासन द्वारा यूनिफार्म का निर्धारण इस प्रकार किया जायेगा कि कम से कम 03 वर्ष तक उसमें परिवर्तन न हो।

आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति/ संस्था आयोजक के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति/संस्था/आयोजक के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अन्तर्गत कार्यवाही की जा सकेगी। विद्यालय द्वारा उक्त आदेशों की अवहेलना किये जाने पर शाला के प्राचार्य/संचालक के साथ ही शाला का प्रबन्धक बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के समस्त सदस्य भी दोषी होंगे। यह आदेश 12 फरवरी से 11 अप्रैल 2026 तक की अवधि में प्रभावशील रहेगा। जिले के समस्त विद्यालय अपने नोटिस बोर्ड पर उक्त सूचना चस्पा करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य उक्त आदेशों की जानकारी प्रबन्धक की प्रथम बैठक में सविस्तार रखना सुनिश्चित करेंगे।

आबकारी की अवैध मदिरा के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार इंदौर जिले में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राघवेंद्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में आज वृत्त - पलासिया प्रभारी प्रियंका रानी चौरसिया की टीम के द्वारा गश्त के दौरान नवलखा रोड से अवैध मदिरा परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही की गई। कार्यवाही में एक दोपहिया वाहन टीवीएस ई20 जुपिटर स्कूटर से अवैध मदिरा परिवहन कर ले जाई जा रही काले बड़े बेग और गाड़ी की डिक्की में 150 पाव देशी मसाला मदिरा एवं 100 पाव देशी प्लेन मदिरा सहित कुल 250 पाव देशी मदिरा (कुल 45 बल्क लीटर) बरामद की गई। बरामद मदिरा को वाहन सहित जप्त कर आरोपी सुमित पिता राधेश्याम चौकसे निवासी पीथमपुर सिटी होम्स कॉलोनी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

एम.पी. ट्रांसको के 220 केवी विदिशा सबस्टेशन पर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत विदिशा जिले के 220 केवी विदिशा सबस्टेशन पर सुरक्षा एवं सबस्टेशन संचालन से संबंधित एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधीक्षण अभियंता श्री शेखर फटाले एवं कार्यपालन अभियंता श्री संजय श्रीवास्तव ने सबस्टेशन मेंटेनेंस एवं आपरेशन कार्यों के दौरान अपनाई जाने वाली आवश्यक सुरक्षा प्रक्रियाओं को बिंदुवार समझाया। कार्यशाला में कार्यस्थल पर लापरवाही रोकने के महत्व पर विशेष जोर देते हुए दुर्घटनाओं से बचाव हेतु व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी, जिससे कार्मिकों एवं उपकरणों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। एम.पी. ट्रांसको की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत निर्धारित स्टेंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर(एसओपी) एवं सेफ्टी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर बल दिया गया।

लोखंडे पुलिया के पास एमडी के साथ युवक गिरफ्तार, सीट में छुपाकर कर रहा था सप्लाई

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर को एक और सफलता मिली है। टीम ने लोखंडे पुलिया के पास बने गार्डन क्षेत्र से एक युवक को 12.59 ग्राम अवैध मादक पदार्थ ह्लएमडीह्व (मेफेड्रोन) के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मादक पदार्थ को अपनी दोपहिया वाहन की सीट के अंदर छुपा रखा था और शहर में सप्लाई करने की फिराक में खड़ा था।

क्राइम ब्रांच के अनुसार पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री में लिप्त आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों की पतारसी की जा रही थी। क्राइम ब्रांच की टीम लोखंडे पुलिया के पास बने गार्डन क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी एक व्यक्ति नीले रंग की होंडा एक्सेस दोपहिया वाहन के साथ संदिग्ध अवस्था में

खड़ा दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह घबराने लगा। शक होने पर टीम ने घेराबंदी कर उसे रोका और पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना नाम कासिम खान निवासी एमआईजी कॉलोनी, इंदौर बताया। तलाशी लेने पर वाहन की सीट के अंदर से 12.59 ग्राम अवैध मादक पदार्थ ह्लएमडीह्व बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से एमडी के अलावा एक दोपहिया वाहन और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 30 हजार रुपए बताई गई है, जिसमें एमडी की अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 1 लाख 20 हजार रुपए आंकी गई है। क्राइम ब्रांच अधिकारियों के मुताबिक आरोपी कासिम दिहाड़ी मजदूरी करता है और आठवीं कक्षा तक पढ़ा है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने अवैध लाभ कमाने की मंशा से सस्ते दामों में मादक पदार्थ खरीदकर नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचने की बात कबूली है। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी को मादक पदार्थ की सप्लाई कहां से होती थी और वह किन-किन लोगों को इसकी बिक्री करता था। शहर में लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से यह साफ है कि पुलिस नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए सख्त रुख अपनाए हुए है।

अवैध मादक पदार्थ का फरार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश इंदौर पुलिस आयुक्त द्वारा दिए गए हैं। इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा दिनांक 11.02.2026 को गिरफ्तार आरोपीगण सौरभ एवं गौरव से मिली जानकारी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया जो कि मादक पदार्थ अन्य जिलों से खरीदकर इंदौर शहर में सप्लायरों को उपलब्ध करवाता था।प्रकरण में पूर्व में आरोपीयो से 10.46 ग्राम अवैध मादक पदार्थ रब्राउन शुगर बरामद की गई थी जिसकी अगली कड़ी में पूछताछ करते आरोपी मयूर कौशिक उर्फ मयूर सिलावट नि पालदा इंदौर की जानकारी मिली जो कि घटना दिनांक से फरार था। जिसे चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया।

इंदौर जिले में कुष्ठ रोगी खोज अभियान जारी नये रोगियों का तुरंत उपचार किया जाएगा

इंदौर। शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले में कुष्ठ रोगी खोज अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान आगामी 5 मार्च 2026 तक चलेगा। अभियान के तहत जिले में करीब 1425 दल बनाये गये है, जो घर-घर जाकर कुष्ठ रोग की जानकारी देंगे। इस अभियान में संभावित रोगी की सूची तैयार कर नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र पर जाँच करायेंगे। जाँच उपरांत सत्यापित नये रोगियों का उपचार शासकीय स्वास्थ्य संस्था में किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि वर्तमान में इंदौर जिले में 540 कुष्ठ रोग के मरीजों का उपचार किया जा रहा है। इसकी प्रभाव दर 1.42 प्रचलित है। अभियान के तहत प्रत्येक दल में संबंधित क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता के साथ पुरुष स्वयंसेवी कार्यकर्ता की ड्यूटी लगाई गई है, जो जिले के स्लम एवं हाइरिस्क क्षेत्रों में भी घर-घर जाकर नये कुष्ठ रोगियों की खोज करेगी, जिससे रोग के प्रसार को कम किया जा सके। अभियान को सफल बनाने के लिए ग्राम एवं वार्ड स्तर पर दल गठित किए गए है। सभी दलों का प्रशिक्षण सम्पन्न हो चुका है।

शासकीय विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों के निराकरण को लेकर बैठक आयोजित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार आज कलेक्टर कार्यालय में अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों के निराकरण को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती कल्याणी पांडे ने विभिन्न विभागों में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों की समीक्षा की।

बैठक में बताया गया कि किसी शासकीय सेवक की सेवा काल में मृत्यु होने पर उनके आश्रित एक सदस्य को नियुक्ति दी जाएगी। मृतक शासकीय सेवक के आश्रित पति/पत्नी द्वारा योग्यता न रखने अथवा स्वयं अनुकम्पा नियुक्ति न लेना चाहे तो

उसके नामांकित पुत्र या अविवाहित पुत्री को दी जा सकती है। ऐसी विधवा अथवा तलाकशुदा पुत्री, जो दिवंगत शासकीय सेवक की मृत्यु के समय उस पर पूर्णतः आश्रित होकर उसके साथ रह रही हो अथवा उपरोक्त पात्र सदस्य न होने की स्थिति में विधवा पुत्रवधु जो शासकीय सेवक की मृत्यु के समय उस पर पूर्णतः आश्रित होकर उनके साथ रह रही हो। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती कल्याणी पांडे ने सभी विभागों के संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे रिक्त पदों की जानकारी उपलब्ध करायें, ताकि पात्र व्यक्ति को अनुकंपा नियुक्ति दी जा सकें।

विभागीय जांच में शिकायतकर्ता को अंतिम अवसर

इन्दौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा श्री पराग जैन, राप्रसे, तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मल्हारगंज, जिला इन्दौर, वर्तमान में जिला नीमच के संबंध में प्रचलित विभागीय जांच प्रकरण में शिकायतकर्ता ग्राम छोटा बांगड़दा निवासी श्री गणेश प्रसाद शुक्ला को साक्ष्य हेतु उपस्थित होने के निर्देश जारी किये गये हैं। जारी सूचना के अनुसार शिकायतकर्ता को पूर्व में कई बार सूचना-पत्र प्रेषित किये जाने के बावजूद अब तक उपस्थित नहीं होने के कारण अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। निर्देशानुसार श्री शुक्ला को 25 फरवरी 2026, बुधवार को प्रातः 11:30 बजे जांच अधिकारी के समक्ष आयुक्त कार्यालय, इन्दौर संभाग, मोती बंगला परिसर (गांधी हाल), इन्दौर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।

बियर की बोतल से हमला करने वाले सभी अज्ञात आरोपियों को चंद घंटों मे विजय नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

थाना विजयनगर क्षेत्र में दिनांक 10/02/2026 को देर रात्रि करीब 11 बजे ऑर्बिट मॉल के पास हुई मारपीट की गंभीर घटना में घायल गोलू चंद्रवंशी की उपचार के दौरान मृत्यु हो जाने पर थाना विजयनगर में अपराध क्रमांक 128/2026 धारा 109(1), 115(2), 296 (ए), 3(5), 351 (3), इजाफा-103 बीएनएस 2023 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर त्वरित विवेचना प्रारंभ की गई ।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन - 02 नगरीय इंदौर प्रभारी श्री कुमार प्रतीक,

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन - 02 नगरीय इंदौर श्री अमरेन्द्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त विजय नगर श्री पराग सैनी के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी चन्द्रकांत पटेल स्वयं व उनकी टीम द्वारा तत्काल सीसीटीवी फुटेज, चश्मदीद साक्षियों एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात आरोपियों की पहचान कर रिकॉर्ड समय में घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने हेतु भागने का प्रयास करते हुए नाले में छलांग लगा दी, जिससे उन्हें चोटें आई । नियमानुसार उनका उपचार कराया जा रहा है। पूछताछ में आरोपियों ने मामू?ली विवाद (एक दूसरे से कंधा टकराने के बाद मारपीट कर बीयर की बोतल से हमला करना स्वीकार किया है। विजयनगर पुलिस की त्वरित कार्रवाई, तकनीकी दक्षता एवं सतत प्रयासों से गंभीर प्रकरण में शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उत्कृष्ट पुलिसिंग का परिचय दिया गया है।

आरोपियों के नाम

1. अखिलेश पिता प्रकाश वासरे उम्र 22 वर्ष, निवासी प्रकाशचंद्र सेठी नगर इंदौर, 2. अमोघ एमए रैदास पिता मोहन प्रशाद रैदास उम्र 21 वर्ष निवासी विराट नगर मूसाखेड़ी, 3. आकाश कदम पिता जितेंद्र कदम उम्र 31 वर्ष निवासी प्रकाश चंद्रशेट्टी नगर इंदौर, 4. वरुण श्रीनिवास पिता राकेश श्रीवास उम्र 21 वर्ष निवासी मयूर नगर मूसाखेड़ी इंदौर.

केवल 1 घंटा...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

दोस्तों, जीवन में अक्सर हम उपलब्धियों, सफलता और व्यस्तता के विषय में ज्यादा चर्चा करते हैं और इन भौतिक विषयों पर चर्चा करते समय अक्सर जीवन की सार्थकता को ही भूल जाते हैं। सुनने मे शायद आपको मेरी बात थोड़ी कटु, चुभने वाली और कड़क लगे लेकिन फिर भी मैं इसे आपसे साझा कर रहा हूँ क्योंकि पिछले कुछ समय से मैंने एहसास किया है कि आज हम पूरे चौबीस घंटे के दिन में एक घंटा भी खुद के लिए नहीं निकाल पा रहे हैं। क्या यह स्थिति हमें व्यर्थ के जीवन की ओर नहीं ले जा रही है?

प्रश्न तीखा है इसलिए इस पर एकदम प्रतिक्रिया देने के पहले जरा गंभीरता से सोच कर देखिएगा। आज हमारे पास हर काम के लिए समय है, बस हम खुद के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। हम पूरा दिन शरीर के लिए जीते हैं, काम, जिम्मेदारियाँ, लक्ष्य, दौड़, तुलना आदि। लेकिन जो भीतर है, जो हमें सच में मनुष्य बनाता है, उसके लिए समय निकालना हमें फिजूल या असंभव सा लगता है और हाँ, मैं यह बात अपने जीवन, अपने अनुभव के आधार पर बता रहा हूँ। दोस्तों, याद रखिएगा भौतिक वस्तुओं और उपलब्धियों से पहले आप स्वयं हैं और किसी भी अन्य चीज से पहले खुद को पाना सबसे जरूरी है और खुद को प्रेम, प्रार्थना और ध्यान से ही पाया जा सकता है। जी हाँ, प्रेम, प्रार्थना या ध्यान से हम सब उस अदृश्य सत्य की खोज कर सकते हैं, जो हर दृश्य या हर इंसान के भीतर छिपा बैठा है। जब तक मनुष्य इस खोज पर नहीं निकलता, तब तक वह कितना भी धन इकट्ठा कर ले, भीतर से दरिद्र ही रहता है। वह कितने ही महल बना ले, कितनी ही ऊँची दीवारें खड़ी कर ले, भीतर से असुरक्षित ही रहता है। वैसे भी अंत में जब मृत्यु आती है, तो वह यह नहीं देखती कि आपने क्या कमाया, वह यह देखती है कि आपने क्या जाना। इस सत्य को अपने जीवन में गहराई से जिया था लियोनार्डो डा विंची। दुनिया के लिए वे एक महान चित्रकार, वैज्ञानिक, दार्शनिक और इंजीनियर थे, लेकिन हकीकत में वे सबसे पहले अंतर्मुखी साधक थे। वे घंटों अकेले बैठकर अपने विचारों को देखते थे और खुद से प्रश्न पूछते थे, मैं कौन हूँ? मैं जो देख रहा हूँ, वह सच है या भ्रम? उनकी महानता का रहस्य उनकी व्यस्तता नहीं, उनका अकेलेपन से मित्रता करना था। दोस्तों, ज्ञान मनुष्य की गरिमा है और ज्ञान का जन्म तब होता है जब हम स्वयं को अपने शरीर, अपनी भूमिका, अपनी पहचान से थोड़ा अलग करके देखने लगते हैं। जैसे फूल अपनी जगह खड़ा रहता है, लेकिन उसकी सुगंध दूर-दूर तक फैल जाती है, वैसे ही मनुष्य को अपने शरीर से थोड़ा ऊपर उठना सीखना होता है। शरीर दिखता है, लेकिन जो जानता है, वह अदृश्य है। साधना यही है, फूल को नहीं तोड़ना, सिर्फ़ उसकी सुगंध को पहचान लेना। हम पूरी जिंदगी शरीर के स्तर पर कमाते रहते हैं, याने नाम, पैसा, सुरक्षा, प्रतिष्ठा आदि के लिए काम करते हैं। लेकिन मौत एक क्षण में यह सब छीन लेती है। जो नहीं छीना जा सकता, वह है, आपका अनुभव, आपकी समझ, आपकी चेतना। वही आपके साथ जाती है। इसलिए मैं आपसे एक बहुत साधारण आग्रह कर रहा हूँ, चौबीस घंटों में से केवल एक घंटा अपने लिए निकालिए। तेईस घंटे शरीर को दे दीजिए, काम कीजिए, जिम्मेदारियाँ निभाइए। लेकिन एक घंटा अपने भीतर की खोज के लिए बचा लीजिए। चुपचाप बैठिए; कुछ मत कीजिए; बस देखिए, आपके भीतर क्या चल रहा है। याद रखिएगा, जो आदमी एक घंटा भी अपने लिए नहीं निकालता, वह जी तो रहा है, लेकिन जीवन को जान नहीं रहा और अंत में, जब सारा हिसाब होता है, तो वही व्यक्ति अमीर मरता है जिसने भीतर कुछ बचाया हो। इसलिए आज खुद से पूछिए, अगर मृत्यु अभी आ जाए, तो क्या मेरे पास बचाने योग्य कुछ है? अगर नहीं, तो देर मत कीजिए और आज से ही एक घंटा अपने लिए जीना शुरू कीजिए।

मां शारदा साहित्य मंच से मिला भोपाल द्वारा हिन्दी गौरव सम्मान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय माँ शारदा साहित्य मंच, भोपाल द्वारा मानस भवन इंदौर में आयोजित कवितांजलि समारोह में इंदौर के मनपसंद कला साहित्य मंच के कवियों को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक काव्यपाठ एवं योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह आयोजन साहित्य प्रेमियों और शहर के विभिन्न वर्गों के लिए एक विशेष अवसर साबित हुआ।

अवसर पर मनपसंद कला साहित्य मंच के कवियों को भी रचना पाठ के लिए आमंत्रित किया गया। सर्वप्रथम श्री जनार्दन शर्मा ने अपनी हास्य कविता चाय से ज्यादा केतली गर्म है सुनाकर श्रोताओं को बहुत हंसाया, श्रीमती गायत्री शर्मा ने पर्यावरण पर अपनी रचना प्रस्तुत की, श्रीमती रंजना शर्मा ने किताब के जीवन पर रचना पाठ कर पुस्तक के महत्व को बताया। जिसमे वास्तविकता थी, जिसे सुनकर उपस्थित श्रोतागण भावविभोर हो गए। कवि उर्मिला जी ने भी भावनात्मक क्षणिकाएं सुनाई।

देशभर से साहित्यकारों की मौजूदगी- इस कवितांजलि समारोह में मुख्य अतिथि देश के जाने माने कवि श्री सत्यनारायण जी सत्तन थ विशेष अतिथि के में रूप वाणिज्य विभाग की आयुक्त जॉइंट कमिश्नर दीप माला जी सहित देशभर से लेखक, कवि और साहित्यकार उपस्थित रहे। इस आयोजन ने इंदौर को एक साझा मंच प्रदान किया, जहाँ अनुभवी कवि और युवा लेखक अपने विचार और रचनाएँ साझा कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व विधायक और राष्ट्रकवि श्री सत्यनारायण सत्तन ने कार्यक्रम के अंत में सभी कवियों को स्मृति चिह्न और हिंदी साहित्य सम्मान पत्र प्रदान किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के नवोदित कवियों का सम्मान करना केवल उनका उत्साह बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि समाज में साहित्यिक चेतना फैलाने के लिए भी आवश्यक है।

14 फरवरी को होगी कार्यशाला

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को निर्यात संबंधी नियम-कायदों की जानकारी देने के लिए आगामी 13 फरवरी से प्रदेश के 7 संभागों में संभागीय स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला होगी। पहली कार्यशाला 13 फरवरी 2026 को उज्जैन में आयोजित की गई है। इसके अलावा अलावा 14 फरवरी को इंदौर में, 27 फरवरी को भोपाल, 28 फरवरी को जबलपुर, 7 मार्च को ग्वालियर, 13 मार्च को रीवा एवं 14 मार्च 2026 को सागर में संभाग-स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

परमपुरुष और मानव की सेवा सच्ची भक्ति

श्री श्री आनन्दमूर्ति
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

एक बार एक जिज्ञासु भक्त ने पूछा, 'बाबा, सच्ची भक्ति क्या है?' परमपुरुष की सेवा और संसार की सेवा–ये दो अलग-अलग कर्म नहीं हैं। यह संसार स्वयं परमपुरुष की ही अभिव्यक्ति है। जो कुछ दिखाई देता है, जो कुछ जीवित है, वह उसी परम चेतना से उपजा है। इसलिए जब मनुष्य किसी भूखे को भोजन देता है, किसी दुखी के आँसू पोंछता है या किसी असहाय के लिए खड़ा होता है, तो वास्तव में वह परमपुरुष की ही सेवा कर रहा होता है। यही कारण है कि सच्चा भक्त अपने जीवन को केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रखता, बल्कि मानवता की सेवा को भक्ति का अनिवार्य अंग मानता है।

भक्ति के वास्तविक मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति जो कुछ भी करता है–गायन, नृत्य, कीर्तन, भजन–उस सबमें वह परमपुरुष की उपस्थिति का अनुभव करता है। वह उन्हें हर कर्म में, हर क्षण में देखना चाहता है। और यही भाव परमपुरुष को भी प्रिय है। वे चाहते हैं कि उनके भक्त हँसें, रोएँ, अपने सुख-दुख उनके साथ साझा करें, उनके नाम का गान करें और जीवन का उत्सव मनाएँ। भक्तों के बीच रहना, उनके गीत-संगीत और उल्लास को देखना–यही परमपुरुष का प्रिय निवास है। परमपुरुष ज्ञान के सर्वोच्च और अनंत भंडार हैं। क्या कोई मनुष्य ज्ञान में उनसे प्रतिस्पर्धा कर सकता है? यह असंभव है। मनुष्य की बुद्धि सीमित है, उसकी खोपड़ी छोटी है, जबकि परमपुरुष अनंत ज्ञान से परिपूर्ण हैं। यही स्थिति कर्म के क्षेत्र में भी है। मनुष्य कितना ही बड़ा कर्मयोगी क्यों न हो, वह सर्वज्ञ और सर्वकर्ता परमपुरुष की बराबरी नहीं कर सकता। इस सत्य को स्वीकार करना ही विनम्रता और भक्ति की पहली सीढ़ी है। जब मनुष्य अपने से श्रेष्ठ व्यक्ति के सामने आता है, तो उसके मन में अकसर संकुचन उत्पन्न होता है। अशिक्षित व्यक्ति विद्वान के सामने स्वयं को हीन अनुभव करता है, निर्धन व्यक्ति धनवान के सामने झिझकता है। यह मानसिक संकुचन ही कुंठा का कारण बनता है। किंतु एक ऐसी अवस्था भी है जहाँ मन पूर्णतः मुक्त होता है–न हीनता, न श्रेष्ठता। यही अवस्था वैकुण्ठ है। वैकुण्ठ कोई दूरस्थ स्वर्गलोक नहीं है, न ही किसी सातवीं परत का नाम। वैकुण्ठ मन की वह स्थिति है जहाँ मनुष्य परमपुरुष के सामने अपनेपन का अनुभव करता है। जैसे कोई पुत्र अपने विद्वान पिता के सामने हीन भावना से ग्रसित नहीं होता, वैसे ही भक्त परमपुरुष के सामने स्वयं को छोटा या बड़ा नहीं मानता। वहाँ संबंध प्रेम का होता है, प्रतियोगिता का नहीं। इसी कारण वैकुण्ठ मन के भीतर घटित होता है। अचरज की बात यह है कि परमपुरुष स्वयं कहते हैं कि वे वैकुण्ठ में या योगियों के हृदय में नहीं रहते। योगी अपने मन की सभी प्रवृत्तियों को नियंत्रित कर लेते हैं। वे न अत्यधिक सुख में हँसते हैं, न गहरे दुःख में रोते हैं। उनका हृदय भावनाओं से रहित, स्थिर और कठोर हो जाता है। हजारों लोगों की मृत्यु भी उन्हें विचलित नहीं करती। लेकिन क्या यही परमपुरुष को प्रिय है? नहीं। मनुष्य का स्वभाव है–सुख में हँसना, दुःख में रोना। बेटी के विदा होते समय माँ का रोना, मित्रों का गले लगकर भावुक हो जाना–ये सब मानवीय अनुभूतियाँ हैं। परमपुरुष चाहते हैं कि मनुष्य इन भावनाओं को जिए। वे चाहते हैं कि मनुष्य गाए, नाचे, खाए, खिलाए और जीवन के रस को पूरी तरह चखे। इसलिए पत्थर जैसे हृदय वाले योगियों का हृदय परमपुरुष के लिए आदर्श निवास नहीं बन पाता। परमपुरुष वहीं रहना पसंद करते हैं जहाँ उनके भक्त प्रेम से हँसते हैं, करुणा से रोते हैं, भक्ति में गाते-नाचते हैं और उनके नाम के आनंद में डूबे रहते हैं। यही भक्ति मार्ग का मर्म है। यदि आप महान विद्वान बन जाएँ, तो वह एक उपलब्धि है। यदि आप महान कर्मयोगी बन जाएँ, तो वह भी सराहनीय है। लेकिन यदि आप सच्चे भक्त बन जाएँ, तो आप स्वयं आनंद के सागर में प्रवेश कर जाते हैं। इसलिए सामान्य जन हों या असाधारण बुद्धिजीवी–सबके लिए भक्ति का मार्ग सर्वोत्तम है। चिंतन करें, कीर्तन और भजन करें, और साथ ही समाज सेवा को अपना धर्म बनाएँ। यही वह मार्ग है जो मनुष्य को परमपुरुष से जोड़ता है और जीवन को अर्थ देता है।

प्रस्तुति : दिव्यचेतनानंद अवधूत

इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में दो लाख पेड़ काटने की तैयारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शब-ए-मालवा की सुहानी शामों के लिए प्रसिद्ध रहे इंदौर का मौसम अब बदल गया है। गर्मी में भी शामें ठंडक नहीं देती हैं। इंदौर और उसके आसपास से तेजी से विकास के नाम पर पेड़ काटे जा रहे हैं। दो लाख से ज्यादा पेड़ों को काटने की अनुमति मिल चुकी है, लेकिन उसकी तुलना में पेड़ उतने नहीं लग पा रहे हैं। इस कारण शहर के कई इलाके हरियाली का सूनापन झेल रहे हैं।

सबसे ज्यादा पेड़ों की बलि इंदौर-खंडवा रेल मार्ग के लिए ली जा रही है। 1.54 लाख पेड़ काटे जाएंगे। इसके अलावा इंदौर-खंडवा फोरलेन के लिए 9 हजार 600 पेड़ काटे जा चुके हैं। इंदौर में भी ब्रिज, मेट्रो व अन्य विकास के कामों के लिए पेड़ों को काटा जा रहा है। उसकी तुलना में शहर में कम सिटी फॉरेस्ट बन पाए हैं। मास्टर प्लान में जो एरिया ग्रीन बेल्ट है, वे भी अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए हैं। मास्टर प्लान 2021 के लिए 14 प्रतिशत ग्रीन बेल्ट तय किया गया था, लेकिन मौके पर ग्रीन बेल्ट 8 प्रतिशत भी नहीं बचा है।

पांच साल में हजारों पेड़ काटे गए

इंदौर में पांच साल में हजारों की संख्या में पेड़ काटे गए। इसके अलावा अवैध कटाई भी होती है। उन पेड़ों की जानकारी तो सामने ही नहीं आ पाती है। इंदौर में इंदौर से तेजाजी नगर बायपास तक फोरलेन सड़क के लिए एक हजार पेड़ काटे गए। इसके अलावा एमओजी लाइन में पचास पुराने पेड़ काटे गए। मल्हार आश्रम में भी 80 से 100 साल पुराने 95 से ज्यादा पेड़ काटे गए। विजय नगर मेट्रो स्टेशन और ब्रिज के लिए 180 पेड़ों की बलि ली गई। कुछ पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया गया, लेकिन वे पनप नहीं पाए।

इन प्रोजेक्टों के लिए काटे जाएंगे पेड़

इंदौर-खंडवा रेल लाइन के लिए 1.54 लाख पेड़ काटने की अनुमति वन विभाग से रेलवे को मिल चुकी है। इंदौर-बुधनी रेल लाइन के लिए 277 पेड़ इंदौर के हिस्से में चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन के लिए 5175 पेड़ काटे जाएंगे। हुकमचंद मिल परिसर से पांच हजार पेड़ काटे जा रहे हैं। वहीं पश्चिमी क्षेत्र के बायपास के लिए पांच हजार से ज्यादा पेड़ों की बलि ली जाएगी।

आठ प्रतिशत रह गई हरियाली

मास्टर प्लान में हरियाली 14 प्रतिशत है, लेकिन हकीकत में आठ प्रतिशत हरियाली बची है। पिपलियापाला, बिलावली, सिरपुर जैसे ग्रीन बेल्ट एरिया में बस्तियां हैं। मास्टर प्लान में दो रीजनल पार्क हैं, लेकिन शहर में एक पार्क ही विकसित हो पाया है। इसके अलावा 15 से ज्यादा सिटी पार्क हैं, लेकिन तीन सिटी पार्क भी ठीक तरह से विकसित नहीं हो पाए हैं।

– जयवंत होलकर, मास्टर प्लान विशेषज्ञ

गिनती में इंदौर में 1.70 लाख सरकारी पेड़

इंदौर में मेरी याचिका पर हाईकोर्ट ने नगर निगम को पेड़ों की गिनती के निर्देश दिए थे। तब निगम ने मार्ग, मुक्तिधाम व उद्यानों में पेड़ों की गिनती की थी। तब 1.70 लाख पेड़ शहर में पाए गए थे। विकास के नाम पर जो पेड़ काटे जाते हैं, उसकी तुलना में पेड़ नजर नहीं आते। हर साल पौधारोपण होता है, लेकिन लगाए गए पौधों की देखभाल में सरकारी विभाग पीछे है।

– किशोर कोडवानी, सामाजिक कार्यकर्ता

10 लाख रुपए के बदले दे दिए 70 लाख रुपए
सूदखोरों से परेशान व्यापारी ने खाया जहर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां एक स्थानीय व्यापारी ने सूदखोरों के आतंक से तंग आकर बुधवार रात जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जहर खाने से ठीक पहले पीड़ित ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया जिसमें उसने तीन व्यक्तियों पर गंभीर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने उसे गंभीर हालत में मालवा अस्पताल में भर्ती कराया जहां आईसीयू में उसका उपचार जारी है। मोहम्मद मोसीन पिता मोहम्मद अशरफ निवासी चंदन नगर के मोबाइल से प्राप्त वीडियो में उसने अपनी आपबीती सुनाई है। मोसीन ने कड़ाव घाट और बंबई बाजार क्षेत्र के रहने वाले मुन्ना दूधवाले, अकरम और शकील चौधरी को अपनी इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। पीड़ित ने वीडियो में स्पष्ट रूप से कहा कि उसे इन लोगों से अपनी जान का खतरा है।

ब्याज के दुष्चक्र में फंसा कारोबार

वीडियो संदेश में मोसीन ने खुलासा किया कि उसने वर्ष 2023-24 के दौरान अपने व्यापारिक कार्यों के लिए लगभग 10 लाख रुपए ब्याज पर लिए थे। इस राशि के बदले उससे हर सप्ताह 65 हजार रुपए बतौर ब्याज वसूले जा रहे थे। व्यापारी का दावा है कि वह अब तक मूलधन से कई गुना अधिक यानी लगभग 60 से 70 लाख रुपये चुका चुका है लेकिन आरोपियों की मांग खत्म नहीं हो रही है।

दस्तावेजों और चेक पर कब्जे का दावा

पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसके मकान की रजिस्ट्री और लगभग 30 खाली चेक अपने पास गिरवी रखे हुए हैं। जब उसने अपने दस्तावेज वापस मांगे तो उसे डराया-धमकाया गया और अतिरिक्त रुपयों की मांग की गई। इस प्रताड़ना से तंग आकर मोसीन ने 6 फरवरी को पंढरीनाथ थाने में एक लिखित शिकायत भी दर्ज कराई थी जिसमें लेनदेन का विवरण और दस्तावेज वापसी की गुहार लगाई गई थी। घटना की सूचना मिलते ही चंदन नगर पुलिस बुधवार रात अस्पताल पहुंची। हालांकि मोसीन की हालत नाजुक होने और आईसीयू में भर्ती होने के कारण उसके अधिकारिक बयान दर्ज नहीं किए जा सके। पुलिस ने फिलहाल परिजनों के बयान ले लिए हैं और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

रात भर नहीं लौटा घर, सुबह पटरी के पास मिली छत्तीसगढ़ के युवक की लाश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

बाणगंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एमआर-4 मार्ग पर आज सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब रेलवे क्रॉसिंग के पास एक युवक का रक्तरंजित शव बरामद किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल के साथ वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। डीसीपी जोन-3 राजेश व्यास ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मृतक के गले पर धारदार हथियार के गहरे निशान मिले हैं जिससे स्पष्ट होता है कि उसकी हत्या गला रेतकर की गई है। शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट के निशान पाए गए हैं जो हमले के दौरान संघर्ष की ओर इशारा करते हैं। पुलिस फिलहाल इस हत्याकांड को लूट के इरादे या किसी आपसी रंजिश के नजरिए से देख रही है।

छत्तीसगढ़ का निवासी था मृतक

पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक शिनाख्त में मृतक की पहचान खोजराम नारगे के रूप में हुई है। वह छत्तीसगढ़ का रहने वाला था और वर्तमान में इंदौर के पोलोग्राउंड औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। सुबह करीब 8 बजे राहगीरों ने रेलवे पटरी के पास शव देखकर पुलिस को सूचित किया था। परिजनों और साथियों से मिली जानकारी के मुताबिक खोजराम अक्सर दिन और रात की शिफ्ट में काम किया करता था। बुधवार की रात जब वह काम के बाद अपने कमरे पर नहीं लौटा तो साथियों ने उसकी तलाश शुरू की थी। पुलिस अब फैक्ट्री के कर्मचारियों और मृतक के दोस्तों से पूछताछ कर रही है ताकि हत्या की कड़ियों को जोड़ा जा सके। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजकर मामले की गहराई से तफ्तीश की जा रही है।

एएसआई पर दर्ज था लोकायुक्त का केस, विभाग ने दी अनिवार्य सेवानिवृति

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के खजराना थाने में पदस्थ रहे सहायक उपनिरीक्षक सुनील रैकवार को पुलिस कमिश्नर नेअनिवार्य सेवानिवृत्ति दी है। यह कठोर निर्णय रैकवार के विरुद्ध लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले और विभागीय जांच में सामने आई गंभीर अनियमितताओं के आधार पर लिया गया है। करीब तीन वर्ष पूर्व रैकवार के खिलाफ लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया था, जिसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से थाने से हटाकर पुलिस लाइन में भेज दिया गया था। लोकायुक्त का यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है, लेकिन पुलिस विभाग ने अपने स्तर पर भी विभागीय जांच शुरू की थी। विभागीय जांच के दौरान सुनील रैकवार के कार्यों में कई प्रकार की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार की पुष्टि हुई। जांच में यह तथ्य उजागर हुआ कि रैकवार ने थाने से संबंधित कई महत्वपूर्ण केस डायरियां और अभियोग पत्र आधिकारिक रूप से जमा नहीं कराए थे और उन्हें नियम विरुद्ध तरीके से अपने पास ही रख लिया था। इसके अलावा उन पर जानबूझकर पुलिस प्रकरणों को लंबे समय तक लंबित रखने का भी आरोप सिद्ध पाया गया। पुलिस अधिकारियों ने रैकवार के इस आचरण को अनुशासनहीनता और कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही माना।

फोटो स्टूडियो में काम करने वाले युवक की गला रेतकर बेरहमी से हत्या

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में हत्या की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक दिन पहले मामूली विवाद में बीयर की बोतल मारकर युवक की हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि गुरुवार सुबह शहर एक और सनसनीखेज वारदात से दहल उठा। बाणगंगा थाना क्षेत्र में सुनसान इलाके में एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बदमाशों ने युवक की गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी।

घटना बाणगंगा थाना क्षेत्र के एमआर-4 रोड स्थित सुनसान क्षेत्र की है। गुरुवार सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बाणगंगा थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने देखा कि युवक का गला धारदार हथियार से रेता गया था और शव के आसपास खून फैला हुआ था। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हुआ। पुलिस ने मौके का मुआयना कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भिजवाया। शुरूआत में मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और जेब में मिले दस्तावेजों व अन्य सुरागों के आधार पर पहचान की कोशिश की। कड़ी मशक्कत के बाद मृतक की पहचान खोजराम पिता लखन नारंगे के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार मृतक मूल रूप से छत्तीसगढ़ का निवासी था और इंदौर में रहकर एक फोटो स्टूडियो में काम करता था। वह किराए के मकान में रहता था। घटना की सूचना मिलते ही उसके परिजन भी इंदौर के लिए रवाना हो गए हैं।

एसीपी ने क्या कहा

मामले में एसीपी रूबीना मिजवानी ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि एमआर-4 क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच में पाया गया कि युवक की गला रेतकर हत्या की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही मृतक के मोबाइल कॉल डिटेल और उसके संपर्क में रहे लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस फिलहाल हत्या के पीछे की वजह तलाशने में जुटी है। प्रारंभिक जांच में लूट की आशंका कम नजर आ रही है, क्योंकि मृतक के पास से कुछ निजी सामान बरामद हुआ है। ऐसे में पुलिस व्यक्तिगत रंजिश या अन्य विवाद की दिशा में भी जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, जिस स्थान पर शव मिला है वह देर रात सुनसान हो जाता है। आशंका जताई जा रही है कि बदमाश युवक को किसी बहाने से वहां लेकर पहुंचे और वारदात को अंजाम दिया। लगातार हो रही हत्या की घटनाओं से शहरवासियों में दहशत का माहौल है। बीते दिनों छोटी-छोटी बातों पर जानलेवा हमले और हत्या की घटनाओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

मध्य प्रदेश के महू रेलवे स्टेशन को मिली 4 एकड़ जमीन, अब और बड़ा होगा स्टेशन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के महू में रेलवे की चार एक-ड़ जमीन पर चला अतिक्रमण हटाने का अभियान आखिरकार पूरा हो गया। दो दिन चली कार्रवाई में कच्चे-पक्के सभी मकानों को तोड़कर जमीन खाली करा ली गई। हल्के विरोध और कहासुनी के बीच रेलवे और जिला प्रशासन की टीम ने समझाइश देकर कब्जा हटवाया और जेसीबी की मदद से निर्माण ध्वस्त कर दिए।

यह जमीन महू स्टेशन के विस्तार और महू-खंडवा नई रेल लाइन परियोजना के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। लंबे समय से यहां बने मकानों के कारण काम अटका हुआ था। कल भी पक्के निमार्णों पर मशीनें चलीं तो कई परिवारों ने सामान समेटने की मशक्कत की। प्रशासन ने पहले ही नोटिस जारी कर दिए थे, इसलिए अधिकतर लोगों ने खुद ही घर खाली कर दिए थे। बचे हुए हिस्सों को भी पूरी तरह हटाकर क्षेत्र समतल कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक अब यहां चौथे प्लेटफॉर्म का विस्तार किया जाएगा, जिससे ट्रेनों की आवाजाही सुगम होगी। साथ ही महू-खंडवा रेल लाइन बिछाने का काम भी तेज किया जाएगा। यह लाइन आगे पातालपानी से जुड़ेगी, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इंदौर के नरसीमुंजी कॉलेज में बजरंग दल ने की तोड़फोड़, इवेंट का विरोध करने पहुंचे थे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के सुपर कॉरिडोर स्थित नरसीमुंजी कॉलेज में हो रही बेक सेल इवेंट पार्टी में गुरुवार को उस वक्त हंगामेदार हालात बन गए, जब पार्टी में अश्लीलता का आरोप लगाते हुए बजरंग दल के कार्यकर्ता लाठी-डंडों के साथ घुस गए।

उन्होंने पार्टी के मंच, स्पीकर तोड़े और स्टाल भी अस्त-व्यस्त कर दिए। उनका कहना था कि वैलेंटाइन डे के नाम पर कॉलेज में पार्टी आयोजित की जा रही है और अश्लीलता फैलाई जा रही है। पार्टी में मौजूद छात्र-छात्राएं हंगामा होने के बाद डर गए और वे सुरक्षित जगह पहुंचे। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और विरोध शांत किया। आक्रोशित कार्यकताओं ने फूल और गुलदस्ते भी जब्त किए। बाद में विरोध करते हुए भजन गाने लगे।(बजरंग दल के तन्नु शर्मा ने कहा कि पार्टी में छात्राओं के साथ गैर-हिंदू युवक भी शामिल थे। इस तरह की पार्टी हिंदू संस्कृति के खिलाफ है। हमने आयोजन बंद करने की मांग की थी, लेकिन नहीं माने। इस कारण हमें विरोध करने आना पड़ा। दोपहर में नारेबाजी करते हुए बजरंग दल कार्यकर्ता कॉलेज के गेट पर पहुंचे। पहले सुरक्षाकर्मियों ने गेट नहीं खोला। जब कार्यकर्ता दबाव बनाने लगे तो गेट खोला गया। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों को धकियाते हुए कार्यकर्ता भीतर घुसे और जाते ही तोड़फोड़ मचाना शुरू कर दी।

सिंहस्थ मद ना मिलने से रुका इंदौर का विकास पहले मिल चुकी है सड़कों की सौगात

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

सिंहस्थ मद से इंदौर में कई विकास कार्य हुए हैं लेकिन इस बार ऐसा होता दिख नहीं रहा है। उज्जैन में ढाई साल बाद लगने वाले सिंहस्थ मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अफसरों को तय समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। 25 से ज्यादा विभागों को अलग-अलग निमार्णों की जिम्मेदारी दी गई हैं। ऐसा माना जा रहा है कि प्रदेश के बजट में भी सिंहस्थ के लिए राशि बढ़ाकर रखी जाएगी।

सरकार का फोकस उज्जैन की कनेक्टिविटी और शिप्रा नदी के शुद्धिकरण पर है। अफसरों का अनुमान है कि सिंहस्थ मेले में करीब पंद्रह करोड़ लोग आ सकते हैं, उसके हिसाब से ही घाटों का विस्तार हो रहा है। साथ ही मेला क्षेत्र में आने वाले प्रोजेक्ट के डिजाइन तैयार हो रहे हैं। शाही स्नान के दिन डेढ़ करोड़ से अधिक भक्तों के आने का अनुमान भी जताया जा रहा है। इंदौर-उज्जैन छह लेन का काम चल रहा है। वहीं इंदौर-उज्जैन फोरलेन का काम भी अब जल्दी ही शुरू होगा लेकिन इंदौर शहर के लिए अलग से कोई प्रोजेक्ट सिंहस्थ मद में मंजूर नहीं हुआ है।

पिछले सिंहस्थ में बनी थी एमआर-4 सड़क

पिछले सिंहस्थ मेले के समय इंदौर विकास प्राधिकरण को 30 करोड़ रुपये सिंहस्थ मद में मिले थे। यह राशि एमआर-4 के निर्माण पर खर्च की गई थी। इसे लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन से जोड़ा गया था। वर्ष 2004 के सिंहस्थ के समय रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के आसपास के अतिक्रमण हटाकर रोड चौड़ी की गई थी, लेकिन इस साल एमआर-12 सड़क इंदौर विकास प्राधिकरण अपने खर्च पर बना रहा है। इसके अलावा कुमेर्डी में बस स्टैंड बनकर तैयार हो चुका है। इसका निर्माण भी प्राधिकरण ने किया है।

रिश्तों का कत्ल: जमीन विवाद में बेटा बना हैवान, अपनी ही मां को पत्थर से कुचलकर उतारा मौत के घाट

दतिया ■

दतिया जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। जिगना थाना क्षेत्र के विजयपुर गांव में जमीन के विवाद ने ऐसा खूनी रूप लिया कि एक बेटे ने अपनी ही मां की नुकीले पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल बना दिया है। मृतका की पहचान 50 वर्षीय मिथिला पाल पत्नी महेश पाल के रूप में हुई है। हत्या का आरोप उनके छोटे बेटे 29 वर्षीय अरविंद पाल पर है।

बताया जा रहा है कि जमीन को लेकर मां-बेटे के बीच विवाद हुआ जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गया। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब मृतका का भतीजा सुरेंद्र पाल घर पहुंचा। घर के अंदर से डेढ़ साल के मासूम बच्चे के रोने की आवाज आ रही थी, जबकि बाहर से ताला लगा हुआ था। खिड़की से झांककर देखने पर मिथिला पाल खून से लथपथ हालत में पड़ी मिलीं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने आरोपी अरविंद पाल को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी की पत्नी जमीन अपने नाम कराने का दबाव बना रही थी, जिसको लेकर घर में लगातार विवाद चल रहा था। आरोपी के नशे का आदी होने की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अरविंद की दो शादियां हो चुकी हैं। पहली पत्नी करीब छह साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी। इसके बाद दूसरी शादी हुई, जिससे उसका डेढ़ साल का बेटा है। दूसरी पत्नी भी करीब 20 दिन पहले घर छोड़कर मायके गई थी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पत्नी का कहना था कि जब तक मां के नाम की जमीन उनके नाम नहीं की जाएगी, वह साथ नहीं रहेगी। इसी बात को लेकर अरविंद और उसकी मां मिथिला पाल के बीच विवाद हुआ, जो खूनी संघर्ष में बदल गया। गुस्से में आरोपी ने नुकीले पत्थर से मां पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। वहीं बड़ौनी एसडीओपी विनायक शुक्ला ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में जमीन के विवाद और पत्नी के दबाव की बात सामने आई है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और हत्या में प्रयुक्त पत्थर समेत अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

मुरैना में बाइक और ट्रक की टक्कर में तीन की मौत, सास-बहू और नातिन ने दम तोड़ा

मुरैना ■

मुरैना के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-44 स्थित ळअळअ सर्विस सेंटर के पास गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार एक बच्ची सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। मृतक महिलाएं सास, बहू हिंगोना खुर्द गांव की बताई गई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक की रफ्तार काफी तेज थी और टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घटना की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। हादसे से आक्रोशित परिजनों ने नेशनल हाईवे-44 पर जाम लगा दिया। देखते ही देखते हाईवे के दोनों ओर करीब 2 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। लंबी दूरी के वाहन भी जाम में फंस गए और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस बल के साथ नगर पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने हालात को नियंत्रित करने का प्रयास किया और आक्रोशित परिजनों को समझाइश देने में जुट गए। काफी देर तक चली समझाइश के बाद स्थिति को सामान्य करने की कोशिश की गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है और ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

स्कूटी की डिक्की में 15 लीटर की केन नहीं आ सकती, कोर्ट ने माना मामला फर्जी

छिंदवाड़ा ■

वर्ष 2020 में दर्ज अवैध शराब परिवहन के एक मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राहुल डोंगरे ने सख्त रुख अपनाते हुए जांच अधिकारी और तत्कालीन थाना प्रभारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने सुनवाई के दौरान पूरे प्रकरण को झूठा करार देते हुए दोनों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया।

मामले के अनुसार, 8 जुलाई 2020 को परासिया पुलिस ने मैग्जीन लाइन निवासी संतोष पिता पूरनलाल डेहरिया (30) और रंजीत पिता पूरनलाल डेहरिया (34) के खिलाफ 54 लीटर अवैध शराब परिवहन का मामला दर्ज किया था। पुलिस का आरोप था कि स्कूटी (जुपिटर) के आगे 22-22 लीटर की केन और डिक्की में 15 लीटर की कुप्पी रखकर शराब ले जाई जा रही थी। इसी आधार पर दोनों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई की गई। सुनवाई के दौरान मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब स्वयं जांच अधिकारी ने न्यायालय के समक्ष स्वीकार किया कि स्कूटी की डिक्की में 15 लीटर की कुप्पी समाना संभव नहीं है। इस स्वीकारोक्ति को आधार बनाते हुए न्यायालय ने अभियोजन की कहानी पर संदेह जताया और पूरे मामले को मनगढ़ंत माना। अदालत ने संतोष और रंजीत डेहरिया को बरी करते हुए टिप्पणी की कि न्यायालय सच्चाई सामने आने के बाद मूकदर्शक नहीं रह सकता। उल्लेखनीय है कि इस कथित झूठे प्रकरण में संतोष डेहरिया को 51 दिन और रंजीत डेहरिया को 41 दिन जेल में बिताने पड़े।

सीएम डॉ. यादव बोले- एमपी को शोध और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने हमारी सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय शोधार्थी समागम - 2026 में सहभागिता कर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकाल - काल के स्वामी विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की आधिकारिक वेबसाइट एवं ब्रोशर का लोकार्पण किया तथा दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन भी किया। राष्ट्रीय शोधार्थी समागम में देशभर से आए शोधार्थियों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों की सहभागिता रही। आगामी 14 फरवरी तक चलने वाले इस समागम में शोध, विज्ञान और नवाचार के विविध आयामों पर विमर्श होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि शोध अकादमिक गतिविधि मात्र नहीं, यह समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति है। कोई भी शोध इतना उच्च कोटि का होना चाहिए जो हम सबकी सोच को एक नई दृष्टि, नई दिशा भी दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे देश के विकास के लिए अपनी जिज्ञासा और रुचि के अनुसंधान क्षेत्रों में निर्भीक होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जैसे आवश्यकता आविष्कार की जननी है, वैसे ही शोध विज्ञान और सभी वैज्ञानिक पद्धतियों का जनक है। मानवीय प्रज्ञा में जब वैज्ञानिक ज्ञान का समावेश हो जाता है, तब वह प्रज्ञान का रूप ले लेती है।

हमारी संस्कृति में एकल शोध की परंपरा कभी नहीं रही

मुख्यमंत्री ने शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे परंपरागत धारणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि नवीन विचारों और वैज्ञानिक दृष्टि के साथ ऐसे शोध प्रस्तुत करें, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।मुख्यमंत्री ने कहा कि शोध सिर्फ. एक शैक्षणिक आवश्यकता नहीं, सामाजिक परिवर्तन और विकास का सशक्त माध्यम भी है। दुनिया के ज्ञान पर पश्चिम का प्रभाव पड़ा है। भारतीय संस्कृति भी इससे प्रभावित हुई। हमारी संस्कृति में एकल शोध की परंपरा कभी नहीं रही। शोध समाज आधारित होना चाहिए, जिसमें राष्ट्र के कल्याण की बात कही जाए। दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के माध्यम से देश के शोधार्थियों को नई दिशा प्रदान कर रहा है।

एमपी को शोध और नवाचार में अग्रणी राज्य बनाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान के विकास में ही देश का समग्र विकास निहित है। मध्यप्रदेश को शोध और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शोध समाज के विकास का आधार है और इसे आधुनिक, परिष्कृत तथा परिमार्जित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

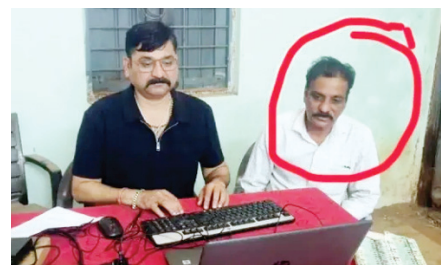

एमपी में 6 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों धराया पटवारी

सिवनी। मध्य प्रदेश में रिश्वतखोरी के मामले थमने की बजाय और बढ़ते जा रहे हैं। लोकायुक्त के द्वारा लगातार रंगे हाथों अफसर और कर्मचारी पकड़े जा रहे हैं। बावजूद इसके रिश्वतखोरी के मामलों में कमी नहीं आ रही है। ऐसा ही मामला सिवनी जिले से सामने आया है। यहां पर पटवारी को 6 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। आवेदक भगतराम खरे निवासी बोरीखुर्द तहसील बरघाट जिला सिवनी ने बताया कि पत्नी बैगीन बाई खरे को उनकी माता के द्वारा ग्राम पंचायत धपारा में खसरा क्रमांक 627 में से 1/5 हिस्सा दिया था। जिसके लिए सीमांकन भी करवाया था। सीमांकन के बाद पावती देने की एवज में पटवारी के द्वारा आवेदक से 6 हजार की रिश्वत लेते पटवारी को रंगे हाथों पकड़ा लिया गया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन)2018 की धारा-7,13(1)B, 13(2) के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है। अंकित शुक्ला ने बताया था कि बताया कि उसके साथ एक महीने पहले अमिलिया क्षेत्र में मारपीट हुई थी। जिसमें उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सीताराम करने से नहीं बचेगा धर्म, रखना होगा माला और भाला, शास्त्री का बड़ा ऐलान

छतरपुर ■

इंटरनेशनल कथावाचक और बागेश्वर धाम के मुख्य पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित गढ़ा के बागेश्वर धाम में 301 कन्याओं के विवाह का आयोजन होने जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीताराम-सीताराम करने भर से धर्म नहीं बचेगा, बल्कि अब माला और भाला रखना होगा।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि 12 देशों के बाद अब वह अमेरिका में बागेश्वर धाम का सुंदरकांड मंडल बनाएंगे। इस साल यूरोप के आठ देशों में मंडल बनाए जाएंगे। सुंदरकांड मंडल बनाने के बाद शस्त्र और शास्त्र का प्रशिक्षण भी देने की व्यवस्था करेंगे। इसके अलावा बेटियों को बेटियों को जूडो-कराटे सिखाएंगे। आगे धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम दाढ़ी अब तभी बनाएंगे, जब बेटियों का विवाह संपन्न हो जाएगा। हम एक जाप कर रहे हैं। एक समय फलाहार और दूसरे टाइम दवाई ले रहे हैं। बेटियों का विवाह बड़ा ही पुण्य का कार्य है। इस जिम्मेदारी हमारी समिति और शिष्य मंडल ने उठाई है। शुक्रवार से हल्दी और मेंहदी की रस्म होगी। उसके दूसरे दिन से संगीत शुरू होगा। 15 फरवरी को सात फेरे, बारात और विदाई होगी। बताया जा रहा है कि नव दंपती को 30-30 हजार की एफडी दी जा रही है। साथ ही सोने की लौंग और बाली भी। मंगसूत्र के साथ दुल्हन को ढाई लाख दिए जाएंगे।

यूजीसी नियमों पर घमासान: भोपाल में भीम आर्मी-एएसपी का शक्ति प्रदर्शन, 50% भागीदारी और सख्त संशोधन की मांग

भोपाल ■

यूजीसी विनियम 2026 को लेकर प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है। भोपाल के अंबेडकर जयंती मैदान में भीम आर्मी भारत एकता मिशन और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने बड़ा प्रदर्शन कर उच्च शिक्षा से जुड़े नियमों पर सवाल खड़े किए। संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम 17 सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए साफ किया कि यूजीसी के नियमों में संशोधन कर सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाए।

संगठन का आरोप है कि मौजूदा प्रावधानों से उच्च शिक्षण संस्थानों में दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के छात्रों व शिक्षकों के हित प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए 2012 की तर्ज पर

सख्त दिशा-निर्देश लागू करने की मांग की गई है, ताकि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में किसी भी प्रकार का भेदभाव रोका जा सके। किसानों के सवाल पर भी संगठन मुखर दिखा। ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का पारदर्शी सर्वे कर तत्काल मुआवजा देने की मांग उठाई गई। नीमच स्थित धानुका इथेनॉल प्लांट से हो रहे कथित प्रदूषण की स्वतंत्र जांच कराने की बात भी ज्ञापन में शामिल है। इसके अलावा एससी-एसटी वर्ग को आवंटित जमीनों से अवैध कब्जे हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने, 2 अप्रैल 2018 के आंदोलन और मिहिर भोज प्रतिमा विवाद से जुड़े मामलों को वापस लेने की मांग की गई।

सुधारों पर भी सवाल

संगठन ने सीएम हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सुधार की मांग की। साथ ही चुनाव प्रक्रिया में बैलेट पेपर के विकल्प पर विचार करने का सुझाव भी दिया। प्रदर्शन में प्रदेश संयोजक सुनील बैरसिया, दामोदर यादव, विनोद यादव अंबेडकर, सुनील अस्तेय, अनिल गुर्जर और युवा मोर्चा अध्यक्ष सतेंद्र सेंगर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

50% भागीदारी की मांग

ज्ञापन में इक्विटी कमेटी और एंटी-डिस्क्रिमिनेशन मैकेनिज्म में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग की कम से कम 50 प्रतिशत भागीदारी अनिवार्य करने की बात कही गई है। संगठन का कहना है कि बिना प्रतिनिधित्व के समानता संभव नहीं है। यूजीसी मुद्दे के साथ-साथ ओबीसी के 13 प्रतिशत लंबित आरक्षण को तत्काल लागू करने, जातिगत जनगणना में अलग कॉलम बनाने और लंबित बैकलॉग पदों को विशेष भर्ती अभियान से भरने की मांग भी दोहराई गई।

तीन सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों का ई-लोकार्पण

भोपाल। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने गुरुवार को भोपाल स्थित तीन सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों का ई-लोकार्पण किया।

यह कार्यक्रम मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के ऑडिटोरियम से आयोजित किया गया। भोपाल में जिन केंद्रों का शुभारंभ हुआ, उनमें लोक सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र (कलेक्टर कार्यालय), सर्व समाज सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र (पत्रकार कॉलोनी) और ग्लोबल सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र (आकृति बिजनेस सेंटर, बावड़िया कलां) शामिल हैं। इसके साथ ही ग्वालियर में एक सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र का भी ई-लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुश्री सुमन श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में न्यायमूर्ति रूसिया ने कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से पक्षकार पारिवारिक, संपत्ति और अन्य विवादों का निःशुल्क तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाधान करा सकेंगे। उन्होंने सामुदायिक मध्यस्थता केंद्रों की शुरूआत को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि स्वैच्छिक सामाजिक कार्यकताओं के सहयोग से प्रदेशभर में ऐसे और केंद्र खोले जाएंगे। उन्होंने विवाद रहित समाज के निर्माण की आशा भी व्यक्त की।

एआई पर लगाम, झूठ पर विराम: नया डिजिटल फरमान...

डिजिटल दुनिया में अब लापरवाही और देरी की कोई जगह नहीं बची है। एक झूठी खबर या फर्जी वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है और समाज में उथल-पुथल मचा सकता है। इसी गंभीर खतरे को समझते हुए भारत ने तकनीकी इतिहास में एक सख्त और निर्णायक कदम उठाया है। 10 फरवरी 2026 को जारी संशोधित आईटी नियमों के तहत सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अवैध और हानिकारक सामग्री हटाने के लिए केवल तीन घंटे का अल्टीमेटम दिया है, जो 20 फरवरी 2026 से लागू होगा। पहले जहां कंपनियों को 36 घंटे का समय मिलता था, अब वह घटकर मात्र तीन घंटे रह गया है। यह फैसला साफ संदेश देता है कि भारत अब डीपफेक, फर्जी खबरों और डिजिटल अराजकता के खिलाफ किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं करेगा।

प्रो. आरके जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

इन नए नियमों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू एआई-जनरेटेड सामग्री पर विशेष ध्यान देना है। अब सभी कृत्रिम रूप से तैयार किए गए ऑडियो, वीडियो और चित्रों को स्पष्ट रूप से लेबल करना अनिवार्य होगा। प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता यह घोषणा करें कि उनकी सामग्री एआई से बनी है या नहीं। साथ ही, जहां संभव हो, स्थायी मेटाडेटा को एम्बेड करना होगा, ताकि मूल स्रोत का पता लगाया जा सके। यह व्यवस्था डीपफेक और फर्जी वीडियो के बढ़ते खतरे पर रोक लगाने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। इससे महिलाओं, सार्वजनिक हस्तियों और आम नागरिकों की गरिमा सुरक्षित होगी और समाज में विश्वास का वातावरण बनेगा। तीन घंटे की समयसीमा पहली नजर में सोशल मीडिया कंपनियों के लिए कठिन लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह एक सकारात्मक और रचनात्मक दबाव है। मेटा, यूट्यूब और एक्स जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स अब अपनी तकनीकी क्षमताओं को और अधिक मजबूत करेंगे। एआई आधारित मॉडरेशन सिस्टम, ऑटोमेटेड डिटेक्शन टूल्स और रियल-टाइम मॉनिटरिंग तकनीकों का तेजी से विकास होगा। भारत का विशाल डिजिटल बाजार कंपनियों को मजबूर करेगा कि वे बेहतर और अधिक जिम्मेदार प्रणालियां विकसित करें। इससे न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी डिजिटल सुरक्षा के मानक ऊंचे होंगे। यह नियम कंपनियों को नवाचार के लिए प्रेरित करता है, न कि उन्हें सीमित करता है। इस नीति का सबसे बड़ा लाभ महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को मिलेगा। गैर-सहमति वाली अंतरंग तस्वीरों और वीडियो के मामलों में अब केवल दो घंटे की समयसीमा तय की गई है, जो पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करेगी। पहले ऐसी सामग्री घंटों या दिनों तक वायरल हो जाती थी, जिससे मानसिक और सामाजिक नुकसान होता था। अब

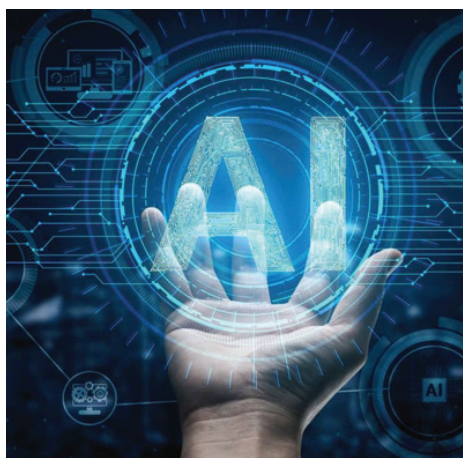

हटाने की प्रक्रिया इतनी तेज होगी कि नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह नियम राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री पर विशेष ध्यान देता है। इससे डिजिटल हिंसा में कमी आएगी और समाज में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। नियमों की मजबूती को और बढ़ाने के लिए सरकार ने प्लेटफॉर्म्स पर अनुपालन की जिम्मेदारी को और सख्त किया है। यदि कोई इंटरमीडियरी इन निर्देशों का पालन नहीं करता, तो उसे सुरक्षित हार्बर संरक्षण खोने का खतरा होगा, जो कंपनियों को और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। साथ ही, उपयोगकर्ता शिकायतों के निवारण को और मजबूत किया गया है, जिससे पीड़ितों को तेज न्याय मिलेगा। प्लेटफॉर्म्स को अब हर तिमाही उपयोगकताओं को एआई दुरुपयोग के खतरों पर स्पष्ट चेतावनी जारी करनी होगी, ताकि लोग स्वयं सतर्क रहें। ये प्रावधान डिजिटल पारिस्थितिकी को अधिक जवाबदेह और सक्रिय बनाते हैं, जहां सुरक्षा केवल नियमों से नहीं, बल्कि सामूहिक जागरूकता से भी मजबूत होगी। एआई कंटेंट पर लेबलिंग और ट्रेसेबिलिटी का प्रावधान भारत के डिजिटल इतिहास में एक मील का पत्थर है। अब फर्जी वीडियो और झूठी खबरों की पहचान करना पहले से कहीं अधिक आसान होगा। मेटाडेटा को हटाना या बदलना अपराध की श्रेणी में आएगा, जिससे अपराधियों के लिए छिपना कठिन हो जाएगा। यह व्यवस्था लोकतंत्र की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, क्योंकि चुनावी समय में गलत सूचनाएं सबसे बड़ा खतरा बन जाती हैं। भारत अब जिम्मेदार एआई गवर्नेंस का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है, जहां नवाचार और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखा गया है। इन नियमों के लागू होने से प्लेटफॉर्म्स का अनुपालन स्तर बढ़ेगा और उपयोगकताओं का अनुभव अधिक सुरक्षित बनेगा। अब लोग बिना भय के अपनी बात साझा कर सकेंगे, क्योंकि उन्हें भरोसा होगा कि हानिकारक सामग्री पर तुरंत कार्रवाई होगी। शिकायत निवारण तंत्र को भी मजबूत किया गया है, जिससे उपयोगकताओं को तेजी से न्याय मिलेगा। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने से डिजिटल इकोसिस्टम अधिक विश्वसनीय बनेगा। भारत का इंटरनेट अब केवल विशाल ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और भरोसेमंद भी होगा, जो डिजिटल विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। दीर्घकालिक दृष्टि से यह नियम डिजिटल साक्षरता और जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। लोग एआई से बनी सामग्री को पहचानना सीखेंगे और फर्जी खबरों के प्रति अधिक सतर्क होंगे। सरकार, शैक्षणिक संस्थान और तकनीकी कंपनियां मिलकर जागरूकता अभियान चलाएंगी। इससे समाज में डिजिटल जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण के कारण विदेशी और घरेलू निवेश में भी वृद्धि होगी, क्योंकि नवाचार के लिए स्थिरता आवश्यक होती है। यह नीति भारत को एक वैश्विक डिजिटल लीडर के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि कुछ आलोचक इसे कठोर और अव्यावहारिक मानते हैं, परंतु डिजिटल युग की तीव्र गति को देखते हुए यह समयसीमा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। आज कोई भी सूचना कुछ ही पलों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती है, जिससे उसके प्रभाव भी उतने ही व्यापक और गहरे होते हैं। ऐसे में केवल त्वरित और निर्णायक कार्रवाई ही वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है। सरकार ने संतुलन साधने का प्रयास किया है, ताकि न तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश लगे और न ही लापरवाही को बढ़ावा मिले। भारत का तीन घंटे का अल्टीमेटम यह स्पष्ट संदेश देता है कि डिजिटल स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही अनिवार्य है। निस्संदेह, यह कदम हमें एक सुरक्षित, पारदर्शी और सशक्त डिजिटल भविष्य की दिशा में अग्रसर करेगा।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

महाशिवरात्रि पर 44 घंटे खुलेंगे महाकाल के पट, 10 लाख श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान, तैयारी पूरी

उज्जैन ■

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि का पर्व इस वर्ष 15 फरवरी 2026 (रविवार) को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर पूरी उज्जैन नगरी शिवमय हो गई है। 6 फरवरी से महाकालेश्वर मंदिर में शिव नवरात्रि और भगवान महादेव के विवाहोत्सव की शुरूआत हो चुकी है, जो 16 फरवरी 2026 तक चलेगा।

महाशिवरात्रि के मौके पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, इस बार महाकाल मंदिर के पट लगातार 44 घंटे तक दर्शन के लिए खुले रहेंगे। 15 फरवरी सुबह 6 बजे से दर्शन प्रारंभ होंगे, जो 16 फरवरी सुबह तक बिना किसी अवकाश के जारी रहेंगे। 16 फरवरी को

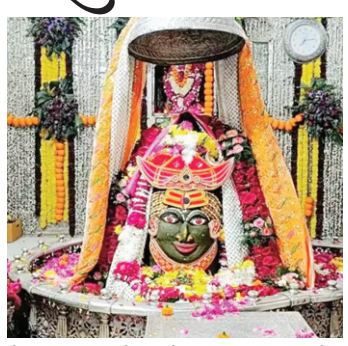

दोपहर 12 बजे विशेष भस्म आरती के साथ शिव नवरात्रि का समापन होगा। उल्लेखनीय है कि महाकालेश्वर मंदिर में दोपहर की भस्म आरती वर्ष में केवल एक बार, महाशिवरात्रि पर ही होती है। भस्म आरती से पूर्व भगवान महाकाल को फलों, फूलों और सप्तधान्य से निर्मित भव्य सेहरा अर्पित किया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाशिवरात्रि भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस दिन चारों प्रहर शिव पूजा, व्रत और जप का विशेष महत्व है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

10 लाख श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान

पुलिस प्रशासन ने महाशिवरात्रि पर 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने का अनुमान लगाया है। इसको लेकर पुलिस कंट्रोल रूम में एडीजी राकेश गुप्ता की अध्यक्षता में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीआईजी नवनीत भसीन, एसपी प्रदीप शर्मा, एएसपी गुरु प्रसाद पाराशर, आलोक शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के मद्देनजर 1500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इनमें 150 महिला पुलिसकर्मी विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सहायता के लिए तैनात रहेंगी। वीआईपी दर्शन व्यवस्था के लिए 250 पुलिसकर्मियों को अलग से जिम्मेदारी दी गई है। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में 200 सीसीटीवी कैमरों तथा पांच ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही, एआई आधारित निगरानी प्रणाली का भी उपयोग किया जाएगा। यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष पार्किंग स्थल तैयार किए जा रहे हैं। भीड़ का दबाव बढ़ने पर ट्रैफिक रूट डायवर्जन लागू किया जाएगा।

40 मिनट में दर्शन का लक्ष्य

प्रशासन ने श्रद्धालुओं को अधिकतम 40 मिनट में दर्शन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए महाकाल लोक से मंदिर परिसर तक विशेष मार्ग प्रणाली लागू की जाएगी। मंदिर परिसर में हर 300 मीटर पर पेयजल और चिकित्सा सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं की तबीयत खराब होने की स्थिति में तुरंत उपचार के लिए मेडिकल हेल्थ पॉइंट बनाए जा रहे हैं। दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सहायता डेस्क की व्यवस्था की गई है। महाशिवरात्रि की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और 13 फरवरी तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएंगी।

बारात के पीछे दौड़ाई गाड़ियां दूल्हे को पकड़कर दुल्हन को छुड़ाया, बैंड-बाजे वाले भी फंसे

दतिया ■

मध्यप्रदेश के दतिया जिले में नाबालिग से शादी रचाने के बाद उसे अपने घर ले जाने का सपना एक दूल्हे को भारी पड़ गया। जैसे ही प्रशासन की टीम को इस शादी की खबर लगी तो टीम गांव पहुंची लेकिन शादी हो चुकी थी। टीम ने विदा हो चुकी बारात का पीछा कर बीच रास्ते में बारात को रोका और दस्तावेज की जांच की तो दुल्हन नाबालिग पाई गई। पुलिस ने दूल्हा, उसके पिता, दुल्हन के माता-पिता सहित टेंट, डीजे व बैंड वालों पर मामला दर्ज किया है।

बुधवार सुबह जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद उपाध्याय को गुप्त सूचना मिली थी कि खटोला गांव में नाबालिग की शादी कराई जा रही है। उन्होंने तुरंत कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े को इसकी सूचना दी। कलेक्टर के निर्देश पर पर प्रशासनिक अमला जनपद सीईओ विनीत त्रिपाठी और पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचा लेकिन तब तक शादी हो चुकी थी और दूल्हा अपनी दुल्हन को विदा कर अपने साथ ले जा चुका था। प्रशासन अमले ने तुरंत बारात का पीछा किया और रास्ते में ही घेराबंदी कर बारात को रोक लिया। दस्तावेजों की जांच में बालिका नाबालिग पाई गई, जिसके बाद उसे तत्काल रेस्क्यू कर थाना उनाव लाया गया । थाना प्रभारी यतेंद्र भदौरिया के अनुसार इस बार कार्रवाई केवल परिजन तक सीमित नहीं रही।

हजीरा–खापर–खेतिया–पानसेमल–निवाली को रेललाइन से सीधा फायदा

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। बड़वानी से गुजरात के हजीरा बंदरगाह तक प्रस्तावित 309 किलोमीटर ब्रॉड गेज रेलवे लाइन का नक्शा और इसमें शामिल शहरों की सूची पिछले एक वर्ष से जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। क्षेत्र की जनता इस महत्वपूर्ण रेलमार्ग का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने की मांग कर रही है।

इस प्रस्ताव की विशेषता यह है कि इसे मनमाड-इंदौर रेल परियोजना से जोड़ा जाना है। वर्तमान में जब सेंधवा से मनमाड-इंदौर रेल परियोजना का कार्य प्रारंभ हो चुका है, तो ऐसे में हजीरा-सेंधवा रेललाइन को भी शुरू करना न्यायसंगत एवं क्षेत्रीय विकास के लिए अत्यंत आवश्यक माना जा रहा है। मनमाड-इंदौर रेलवे संघर्ष समिति के प्रमुख मनोज मराठे ने इस परियोजना को

उन्होंने बताया कि इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। निवाली क्षेत्र के लिए समाजसेवी सुनील सोनी, चाटली से कमलेश कुशवाह, तलोदा के लिए नवनीत शिंदे, खापर के लिए दीपक सालुके मराठे, खेतिया से विनोद रेखचंद जैन, पानसेमल से हेमराज मका पाटिल, शहादा से देवाभाई बोराणे तथा दोदवाड़ा क्षेत्र से मनोहर माली को समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संघर्ष समिति आगामी समय में तलोदा-शहादा विधायक राजेश पाडवी, महाराष्ट्र सरकार के मंत्री जयकुमार रावल तथा केंद्रीय जल मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात कर इस परियोजना का महत्व समझाएगी और सहयोग की मांग करेगी। श्री मराठे ने बताया कि वर्ष 2020 में नंदुरबार की पूर्व सांसद हिना गावित द्वारा यह प्रस्ताव रखा गया था। अब जब मनमाड-इंदौर रेल परियोजना का कार्य प्रारंभ हो चुका है, तो इस परियोजना पर भी गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्य खरगोन एवं बड़वानी के सांसदों, पानसेमल विधायक श्याम बर्डे, सेंधवा विधायक मोंटू सोलंकी तथा अनुसूचित जनजाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अंतर सिंह जी से भी भेंट करेंगे। उनसे अनुरोध किया जाएगा कि वे रेलवे मंत्रालय से इस परियोजना का सर्वे शीघ्र प्रारंभ करवाने और आदिवासी क्षेत्र के विकास के लिए इस रेललाइन को स्वीकृति दिलाने में सहयोग करें। इस संबंध में श्री मराठे ने रेल मंत्री एवं रेलवे बोर्ड के साथ पत्र व्यवहार भी प्रारंभ कर दिया है। संघर्ष समिति का मानना है कि हजीरा-सेंधवा रेललाइन से खापर, खेतिया, पानसेमल, निवाली सहित आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा तथा व्यापार, उद्योग और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

बजट सत्र से पहले 3 मंत्रियों को बर्खास्त करें

भोपाल। बजट सत्र से पहले मध्य प्रदेश में सियासत गरमा गई है। यहां पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव को पत्र लिख कर तीन मंत्रियों को मंत्रिमंडल से बाहर करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में सरकार की नैतिकता और जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए राज्यपाल के अभिभाषण से पहले कार्रवाई करने को कहा है। तीन मंत्रियों को बर्खास्त करने के इस मांग पत्र में पीसीसी चीफ ने कहा है कि प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों और नैतिकता की अनदेखी हो रही है, जिससे सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पत्र में आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि, 16 फरवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण के जरिए 'आंकड़ों का आडंबर' पेश किया जाएगा।

भोपाल में पानी की टंकी में बक्से में बंद महिला का शव मिला

भोपाल ■

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से बड़ी खबर सामने आ रही है यहां एक महिला की बक्से में बंद लाश पानी की टंकी में मिली है। लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव दो-तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। फिलहाल महिला की शिनाख्त नहीं हुई है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोपाल शहर के निशातपुरा थाना क्षेत्र की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास स्थित पानी के टैंक से बक्से में महिला की लाश बरामद हुई है। बताया गया है कि पानी के टैंक से तेज दुर्गंध आ रही थी और जब लोगों ने टैंक के पास जाकर देखा तो उन्हें एक बक्सा पानी में नजर आया। तुरंत

पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बक्से को पानी से बाहर निकाला तो उसमें महिला की लाश थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला की शिनाख्त करने में जुटी पुलिस

पानी के टैंक में बॉक्से में महिला की लाश मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से जाच की। शव फूला हुआ है जिससे अंदेशा है कि शव दो से तीन दिन पुराना हो सकता है। महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है, पुलिस आसपास के इलाकों में हाल ही में गुमशुदा हुई महिलाओं की जानकारी जुटा रही है जिससे की महिला की पहचान हो सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजपुर में प्रत्येक माह के 3 दिवस की जायेगी सोनोग्राफी

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निदेर्शानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेखा जमरे के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजपुर में सोनोग्राफी मशीन का संचालन प्रत्येक माह में 3 बार किया जायेगा। प्राइवेट सोनोलॉजिस्ट द्वारा यह व्यवस्था ही गयी है जिसमें प्रति माह के प्रथम और तृतीय रविवार को डॉ आयुषी अलावा एवं चतुर्थ रविवार को डॉ शुभम गोस्वामी द्वारा गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी जांच की जायेगी।

एमपी में लव मैरिज में मिले धोखे से टूटी पत्नी, दे दी जान

ग्वालियर ■

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में लव मैरिज में मिले धोखे के बाद महिला ने खुदकुशी कर ली। घटना शहर के सिरौल थाना क्षेत्र के ईस्ट मैरिडियन मल्टी की है। जहां रहने वाली महिला ने लव मैरिज के करीब 6 महीने बाद ही फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी करने से पहले महिला ने एक वीडियो भी बनाया जिसमें उसने अपनी मौत के लिए पति और ससुरालवालों को जिम्मेदार ठहराया है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

करीब 6 महीने पहले की थी लव मैरिज

बड़ोहापुरा इलाके में रहने वाली वैष्णवी उर्फ प्राची ने करीब 6 महीने पहले परिवार के विरोध के बावजूद राजू उर्फ सत्यनारायण भदौरिया से मंदिर में लव मैरिज की थी। लव मैरिज के बाद से दोनों पति-पत्नी के रूप में किराए का फ्लैट

लेकर सिरौल थाना क्षेत्र के ईस्ट मैरिडियन मल्टी में रह रहे थे। इसी फ्लैट में प्राची ने फांसी लगाकर खुदकुशी की है। प्राची ने सुसाइड करने से पहले एक वीडियो भी बनाया था जिसमें उसने अपनी मौत के लिए पति और ससुरालवालों को जिम्मेदार बताया है। पुलिस ने वायरल वीडियो और प्राची के परिजन के आरोपों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राची के परिजन का आरोप है कि राजू उर्फ सत्यनारायण भदौरिया ने प्राची को धोखे में लव मैरिज की थी। वो पहले से शादीशुदा था और उसके दो बच्चे भी हैं। ये बात उसने प्राची से छिपाई और शादी के बाद जब राजू की सच्चाई प्राची को पता चली तो वो राजू के घर गई थी। जहां राजू की पत्नी व उसके पिता ने प्राची के साथ मारपीट की। प्यार में मिले धोखे और मारपीट से आहत प्राची ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। प्राची ने सुसाइड करने से पहले मोबाइल से वीडियो भी बनाया है जिसमें उसने अपनी मौत के लिए अपने पति राजू और ससुराल वालों को जिम्मेदार ठहराया है।

ऐतिहासिक भारत को न्यू इंडिया बनाने की जिद में नये-नये बद-नुमा इतिहास क्यों गढ़े जा रहे है ?

भूमिका : भारत केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि सहस्राब्दियों की सभ्यता, संस्कृति और संघर्षों का जीवंत इतिहास है। जो प्राचीन सभ्यता राजनीतिक लोकतंत्र का अद्वितीय संगम है। हमारी परम्पराएँ, लोकतांत्रिक संस्थाएँ और सांस्कृतिक विरासत विश्व के लिए प्रेरणा रही हैं। किन्तु विडम्बना देखिए। न्यू इंडिया गढ़ने की होड़ में क्या हम नवाचार के साथ-साथ संस्थागत परंपराओं और संतुलन की रक्षा कर पा रहे हैं? या कहीं हम ऐसा इतिहास तो नहीं लिख रहे, जो भविष्य में बदनुमा अध्याय बनकर याद किया जाए? दुर्भाग्य वश वर्तमान समय में देशअशर्फियां लुटे और कोयलों पर मुहर लगाने वाली नकारात्मक उपलब्धियां की ओर बढ़ रहा है। संसद में घटी ताजा घटनाक्रम को ही ले ले, जिसने एक नए बदनुमा इतिहास (रिकॉर्ड) बना दिया।

राजीव खण्डेलवाल
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

प्रथम रिकॉर्ड: प्रधानमंत्री सुरक्षित नहीं? स्पीकर की घोषणा कितनी सही एवं पारदर्शी? लोकतंत्र का मंदिर कही जाने वाली सर्वाधिक सुरक्षित जगह संसद में भी यदि देश के सर्वाधिक शक्तिशाली, मजबूत, लोकप्रिय प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर ही प्रश्नचिह्न लग जाए, यह अप्रिय स्थिति देश के इतिहास की सबसे दुर्भाग्यपूर्ण एवं कलंकित करने वाली है। लोकसभा अध्यक्ष जो संसद (हाउस) का संरक्षक, अभिभावक, कस्टोडियन होता है, की संसद में घोषणा कि प्रधानमंत्री के साथ अप्रत्याशित घटना घट सकती थी, न केवलचौंकाने वाला है, बल्कि अनेक सवाल भी खड़े करता है? यदि खतरा वास्तविक था, जहां प्रधानमंत्री अपने कर्तव्य से विमुख होकर कर्तव्यच्युत हो गये, तो यह अत्यंत गंभीर चिंता का विषय है। लेकिन यदि सिर्फ आशंका मात्र थी, तो फिर यह तिल का ताड़ बनाने जैसा प्रतीत होता है।

कही यह afterthought तो नहीं?- क्या यह एक कल्पना मात्र होकर पश्चिवती विचार (आफ्टर थॉट) भी हो सकता है? खासकर तब जब शाम 5:00 समय निश्चित होने के बाद लोकसभा में प्रधानमंत्री के न आने पर उक्त घोषणा एक सेनापति के रूप में सुरक्षा कवच के रूप में स्पीकर द्वारा तुरंत उसी समय न कर दूसरे दिन तब की, जब सोशल मीडिया प्रधानमंत्री के लोकसभा न आने पर आलोचनाओं से भर गया। मामला जब देश के प्रधानमंत्री के जीवन या पद की गरिमा से जुड़ा हो, तब इसकी जानकारी सदन के माध्यम से देश को तुरंत ही दी जानी चाहिए थी।

द्वितीय रिकॉर्ड: धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री का बोल न पाना- स्वतंत्र भारत के संसदीय इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लायेधन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष द्वारा निर्मित स्थिति के कारण प्रधानमंत्री सदन में बोलने ही नहीं आए। लेकिन दूसरे दिन प्रधानमंत्री सीधे राज्य सभा में इसी धन्यवाद प्रस्ताव पर वक्तव्य देने गए। यह एक अभी तक की स्थापित संसदीय परंपरा के प्रतिकूल है। विपक्ष द्वारा लगातार व्यवधान और सत्ता पक्ष की रणनीति, दोनों ने मिलकर ऐसा परिदृश्य रचा, जिसने दो पाटों में पिसती जनता की तरह लोकतंत्र को असहज कर दिया। वर्ष 2004 का प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का लोकसभा में न बोलने का उदाहरण यहाँ सटीक नहीं बैठता है। क्योंकि तब प्रक्रिया अलग थी और भाषण औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) कर दिया गया था। पूरा प्रसंग ना नौ मन तेल होगा, ना राधा नाचेगी जैसा प्रतीत होटल लग रहा है, जहाँ संवाद के स्थान पर टकराव ने जगह ले ली।

तृतीय रिकॉर्ड: सदन में हंगामा हमेशा से होते आए हैं। हंगामे का रूप विरोध पक्ष अपने वेळ में तथा सत्ता पक्ष अपने वेल में या अधिकतम अध्यक्ष की वेल में। लेकिन लोकसभा में अभूतपूर्व हुआ है कि विरोध पक्ष के सांसद बैनर व प्लेकार्डस के साथ ट्रेजरी बेंच को क्रॉस कर विरोध करने प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंच गए।

चतुर्थ रिकॉर्ड: ममता बनर्जी का नया अध्याय- इतिहास रचने की होड़ में दीदी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कहां पीछे रहने वाली है। अपने ही राज्य के मुद्दे पर स्वयं द्वारा दायर याचिका पर उच्चतम न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में उपस्थित होकर बहस करना अभूतपूर्व घटना है। यह राजनीति और विधि की सीमाओं को एक साथ लांघने जैसा है। सही कहा

है, बाज के बच्चे मुंडेरों पर नहीं उड़ा करते।

पंचम रिकॉर्ड: विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कार्रवाई की जाना- मतदाता सूची (इलेक्ट्रोल रोल) के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया भी स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार हो रही है। कुएं में बास डाल कर ढूढ़ा जा रहा है। तथापि यह दावा कि बिहार में वर्ष 2003 में विशेष गहन पुनरीक्षण हुआ था, गलत है। तत्समय गहन पुनरीक्षण हुआ था, विशेष गहन पुनरीक्षण नहीं। देश के अनेक आईकॉन भारत रत्न, पद्म पुरस्कार विजेता प्रतिष्ठित नागरिकों तक को मतदाता सूची में अपना नाम बनाए रखने के लिए दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए सूचना पत्र जारी किए गए। अब ये आईकॉन तकदीर का अफसाना जाकर किसे सुनाएं? यह तो एक बानगी मात्र है। सुधार की आड़ में यदि अव्यवस्था पनपे, तो यह ऊँट के मुँह में जीरा जैसा उपाय हो सकता है।

छठवा रिकॉर्ड: लगभग साढ़े छः वर्ष से अधिक समय से वर्ष 2019 से लोकसभा के उपाध्यक्ष का पद रिक्त है। यह भी स्वतंत्र भारत का लोकतंत्र के माथे पर बिंदी लगाने वाला रिकॉर्ड है? कारण शायद उपाध्यक्ष के पद पर विपक्ष के सांसद के निर्वाचन की परिपाटी का होना रहा है। यह विषय आज महत्वपूर्ण इसलिए हो गया क्योंकि अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव अभी लोकसभा में प्रस्तुत किया गया है, और चर्चा हेतु स्वीकार हो जाने पर आगे की कार्रवाई डिप्टी स्पीकर करता है।

स्पीकर की घोषणा और अनुत्तरित प्रश्न।

अब आगे स्पीकर के आचरण और घोषणा की विवेचना की जाती है। देश के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लोकसभा में अप्रत्याशित घटना घट सकती थी? लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जीभ जली और मजा भी नहीं आया के उक्त कथन को तर्क के रूप में एक छण के लिए एक प्रतिशत भी सही मान लिया जाए, तो इस घोषणा के बाद निम्न कहे-अनकहे अनुत्तरित प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। खासकर तब जब देश के केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह एवं पूर्व मंत्री निशिकांत दुबे प्रधानमंत्री की हत्या की कोशिश तक की बात कह जाते हैं।

1 सूचना का स्त्रोत क्या था?
2 अप्रत्याशित घटना से तात्पर्य क्या था?
3 उक्त इनपुट किसने दिया?
4 पश्चवर्ती सोच तो नहीं? क्या अध्यक्ष ने यह सूचना प्रधानमंत्री को स्वयं उनके पास जाकर दी, फोन पर दी या संसद सचिवालय द्वारा मेल किया गया? इन सब का कोई खुलासा स्पीकर ने नहीं किया है। क्योंकि यदि ऐसा हुआ होता तो कम से कम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्पीकर को आगाह करने के लिए धन्यवाद जरूर देते, जो एक समान शिष्टाचार है। विपरीत इसके स्पीकर ने प्रधानमंत्री को उनके अनुरोध को स्वीकार करने के लिए संसद में न आने पर धन्यवाद दिया। यह तो वही बात हुई कि तू मेरी पीठ खुजा मैं तेरी खुजाउं।
5 खतरे की सूचना, देश के किसी भी सुरक्षा तंत्र, एजेंसियो, गृहमंत्री को दी गई?
6 यदि हां! तो इस तथ्य की जानकारी संसद या अध्यक्ष को क्यों नहीं दी गई?
7 यदि खतरा था, तो संसद मार्ग स्थित थाने में औपचारिक रिपोर्ट अभी तक क्यों नहीं दर्ज कराई? जिस तरह सांसद प्रताप सारंगी के मामले में की गई थी।
8 सांसद बैनर व पम्पलेट्स लेकर अंदर कैसे पहुंच गए?
9 षड्यंत्र के जिम्मेदार सांसदों की पहचान और उनके विरुद्ध निष्कासन से लेकर प्राथमिकी (एफआईआर)व अन्य कार्रवाई क्यों नहीं हुई? शायद इसलिए कि हमारी सरकार मूल को ही जड़ से समाप्त करने का कार्य करती है।इसीलिए सेवा के पूर्व जनरल प्रमुख मनोज नरवाने की किताब के प्रकाशक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई।
10 प्रधानमंत्री को खतरा उन चुने गए निहत्थे सांसदों से कैसे हो सकता है? प्रधानमंत्री स्वयं सदन के नेता होते हैं।
11 यदि लोकसभा में खतरा था, तो राज्यसभा में क्यों नहीं? राज्यसभा अध्यक्ष को आगाह क्यों नहीं किया गया?
12 जब देश दो प्रधानमंत्रियों की शहादत देख चुका हो, तब ऐसी घोषणा जो आग में घी डालने का काम करती है, के बाद सुरक्षा के लिए क्या कोई कठोर कदम उठाए गए? और कौन-कौन से? देश अब स्थिति में नहीं है और कोई शहादत उठाएं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक चिंता का विषय है। इसे राजनीति की आग में मत झोकिये।

षड्यंत्रः भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत एक अपराध

भारतीय न्याय संहिता की धारा 61 के अंतर्गत आपराधिक षड्यंत्र एक अपराध है,जिसकी आशंका स्पीकर ने प्रधानमंत्री के सामने व्यक्त कर उनको लोकसभा आने से रोककर उनकी जान और पद के सम्मान की रक्षा की। लेकिन इन सबसे हटकर सबसे महत्वपूर्ण और दुखद आश्चर्यजनक बात यह है कि अभी तक देश के गृहमंत्री जिन पर प्रधानमंत्री की सुरक्षा का दायित्व है, देश के नागरिकों को आश्वत करने वाला एक बयान या कोई आवश्यक कदम नहीं उठाया। क्या गृहमंत्री भी स्पीकर की उक्त आशंका को निर्मूल मानते हैं?

वैश्विक छवि और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता

विश्व समुदाय भारत को एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में देखता है। यदि संसद भवन जैसी सर्वाधिक सुरक्षित जगह में प्रधानमंत्री की सुरक्षा संदिग्ध बताई जाए, गुनाह -ए बेलज्जत तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी संस्थाओं की क्षमता पर प्रश्न उठ सकते हैं। मजबूत छवि केवल भाषणों से नहीं, बल्कि संस्थागत स्थिरता और पारदर्शिता से बनती है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, परंतु यदि संवाद की जगह अविश्वास ले ले, तो यह रस्साकशी में रस्सी टूटने जैसी स्थिति पैदा कर देता है।

निष्कर्ष: न्यू इंडिया का निर्माण सकारात्मक सुधारों और संस्थागत सुदृढ़ता से होगा। लोकतंत्र की असली शक्ति टकराव में नहीं, संवाद व संपर्क में है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

पृथ्वी पर एलियन जैसे दिखने लगेंगे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स

लगातार रील बनाने का दुष्प्रभाव, पिछले कुछ समय से रील बनाते रहने का ट्रेंड दीवानगी की हद तक पहुंच गया है। एक समय जो क्रेज मशहूर कलाकारों के लिए हुआ करता था, वही पागलपन अब सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए देखने को मिल रहा है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि आज जिन लोगों के पीछे नेटिजन दीवाने हैं, आने वाले समय में उन्हें देखकर लोग मुंह बना सकते हैं।

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

इसका कारण बताते हुए वे कहते हैं कि कुछ शोधकताओं ने एआई की मदद से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का भविष्य का माडल तैयार किया है, जो चौंकाने वाला है। वे किसी दूसरे ग्रह से आए प्राणी जैसे दिखाई दे रहे हैं। वर्ष 2050 तक उनके चेहरे पर दाग-धब्बे और रूखापन आ सकता है। उनका चेहरा झुका हुआ और विकृत सा प्रतीत होगा। उनकी गर्दन में लगातार दर्द रहेगा और वह आगे की ओर झुकी हुई दिखाई देगी। लगातार सुंदर और प्रभावशाली दिखने का दबाव तथा निरंतर कंटेंट निर्माण का असर उनके तन और मन दोनों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। शोधकताओं ने इस माडल को एवा नाम दिया है। लंबे समय तक सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का उपयोग तथा घंटों तक रिंग लाइट के नीचे पोज देने के कारण उसके कंधे गोल हो गए हैं। एवा का सिर हमेशा आगे की ओर झुका रहता है और उसकी गर्दन में लगातार दर्द बना रहता है। इस समस्या को टेक नेक कहा जाता है। न्यूरोसर्जन बताते हैं कि लगातार स्मार्टफोन का उपयोग करने से गर्दन की मुद्रा असंतुलित हो जाती है। वहीं त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि रील बनाने के दबाव में रहने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के बालों की जड़ों पर लगातार खिंचाव बना रहता है, जिससे ट्रैक्शन एलोपेसिया नामक स्थिति उत्पन्न हो सकती है। चिंताजनक बात यह है कि समय के साथ यह समस्या स्थाई भी हो सकती है। विशेषज्ञ इस गंभीर स्थिति के प्रति चेतावनी देते हुए कहते हैं कि जो लोग रोजाना लंबे समय तक विभिन्न डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हैं, उन्हें भी सतर्क हो जाना चाहिए। उनके चेहरे पर लालिमा आना, त्वचा का शुष्क हो जाना, आंखों के नीचे गहरे काले घेरे और सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बेहतर होगा कि वे अपने काम के बीच-बीच में नियमित रूप से विराम लें। हर 20 मिनट में 20 सेकेंड के लिए 20 फुट दूर देखें। विशेषज्ञ आगे कहते हैं कि समय की मांग के अनुसार, हम डिजिटल उपकरणों का उपयोग पूरी तरह बंद नहीं कर सकते, लेकिन उसे सीमित करना और काम के बीच ब्रेक लेना निश्चित रूप से एक प्रभावी उपाय है।

ध्वनि प्रदूषण पक्षियों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है

स्नेहा सिंह | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

ध्वनि प्रदूषण के कारण पक्षी अपनी रोजमर्रा की गतिविधियां नहीं कर पा रहे, प्रजनन नहीं कर पा रहे और उनका नेविगेशन भी बाधित हो रहा है। पक्षियों के लिए ध्वनि केवल एक आवाज नहीं, बल्कि उनके पूरे अस्तित्व का आधार है। उनका अस्तित्व, संचार, प्रजनन, दिशा-निर्देशन और अनेक अन्य प्रक्रियाएं ध्वनि पर आधारित हैं। वर्तमान समय में स्थिति ऐसी हो गई है कि जैसे-जैसे शहरों में शोर बढ़ता गया है और मानवीय गतिविधियां बढ़ी हैं, वैसे-वैसे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता गया है। पक्षी आवाज के माध्यम से ही एक-दूसरे से संवाद करते हैं। उनकी ध्वनि की तीव्रता में ही उनका प्रेम, उनका विरोध, उनका भय, उनके संकेत, अपने क्षेत्र की रक्षा, सामाजिक संरचना और परिवार की पहचान सब कुछ समाहित होता है। आज का कोलाहल इन सबको बिखेर रहा है। पक्षी अपने स्वर, गीत और नृत्य के माध्यम से साथी का चयन करते हैं। चारों ओर बढ़ते शोर के कारण उन्हें अपने स्वर और गायन में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यह परिवर्तन उनकी समस्या का अस्थाई समाधान हो सकता है, लेकिन इसकी मधुरता और प्रभाव कम हो गए हैं। शहरीकरण और तकनीकी विकास की दौड़ में आज दुनिया बहुत आगे निकल चुकी है। इस विकसित होते संसार में जो समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, उनकी ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा। विकास के मार्ग पर दौड़ती दुनिया ने चारों ओर विभिन्न प्रकार के प्रदूषण फैला दिए हैं।

इस तेज रफ्तार दुनिया में एक ऐसा प्रदूषण बढ़ा है, जिसकी अब भी खुलकर अनदेखी की जा रही है, वह है ध्वनि प्रदूषण। विश्वभर में ध्वनि प्रदूषण की समस्या गंभीर रूप से बढ़ रही है, लेकिन इसके निवारण के लिए विशेष कदम नहीं उठाए जा रहे। यह ऐसा प्रदूषण है, जिसके अवशेष दिखाई नहीं देते, परंतु धीरे-धीरे इसका प्रभाव व्यापक होता जाता है और इससे होने वाला नुकसान दीर्घकालिक होता है। यह नुकसान पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को असंतुलित कर देता है। पर्यावरण को इससे जो हानि पहुंचती है, उसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। विशेषज्ञों के अनुसार ध्वनि प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव पक्षियों पर पड़ा है। पक्षियों का पूरा जीवन ध्वनि पर आधारित है। पक्षियों के लिए ध्वनि केवल एक आवाज नहीं, बल्कि उनके संपूर्ण अस्तित्व का आधार है। उनका अस्तित्व, संचार, प्रजनन, दिशा-निर्देशन और अनेक अन्य क्रियाएं ध्वनि पर निर्भर हैं। वर्तमान स्थिति यह है कि जैसे-जैसे शहरों में शोर बढ़ रहा है और मानवीय गतिविधियां बढ़ रही हैं, पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। शहरों के आसपास का प्राकृतिक वातावरण नष्ट हो चुका है और निरंतर नष्ट हो रहा है। उसी पर संपूर्ण जीव-जगत टिका हुआ है और पक्षियों का जीवन भी उसका एक हिस्सा है। हमारे आसपास कभी कोयल की कूक सुनाई देती थी, मोर की पुकार गूंजती थी, चिड़ियों की चहचहाहट होती थी, कबूतरों की गुटरगूं सुनाई देती थी। इसके अलावा मैना, तोता, कबूतर, हुदहुद, कौआ, बुलबुल और अनेक अन्य पक्षी हमारे आसपास निवास करते थे। उनका स्वर हमें मंत्रमुग्ध कर देता था और उनके अस्तित्व को बनाए रखता था। वे इसी आवाज के माध्यम से एक-दूसरे से संवाद करते थे। उनकी ध्वनि की तीव्रता में उनका प्रेम, उनका विरोध, उनका भय, उनके संकेत, अपने क्षेत्र की रक्षा, अंजान खतरे के प्रति सावधानी, सामाजिक ढांचा और परिवार की पहचान सब कुछ समाहित होता है। पक्षियों की इसी ध्वनि को हमारे कारखानों और फैक्ट्रियों के शोर, वाहनों के कोलाहल और हार्न की आवाज ने दबा दिया है। चारों ओर इतना शोर है कि पक्षी एक-दूसरे की आवाज स्पष्ट रूप से सुन ही नहीं पाते। विशेषज्ञों के अनुसार प्रत्येक पक्षी अपने आवास (हैबिटेट) के अनुसार, एक विशिष्ट स्वर, उसकी शैली, उसकी सीमा और उसके गुण विकसित करता है। उसी के माध्यम से वह अपना संचार तंत्र विकसित करता है। अब स्थिति यह हो गई है कि वाहनों के कारण चारों ओर ट्रैफिक बढ़ रहा है, निर्माण कार्य चल रहे हैं, औद्योगिक मशीनें शोर कर रही हैं, विमानों की आवाज गूंज रही है, शहरी क्षेत्रों में कोलाहल बढ़ रहा है और शहर फैलते हुए जंगलों को कम कर रहे हैं। इन्हीं शहरी क्षेत्रों में पक्षी रहने के लिए मजबूर हो गए हैं। इसके कारण उनकी आवाजा दब गई है। जब वे आपस में संवाद करते हैं, तो बाहरी शोर के कारण कठिनाई होती है। उनका संवाद बाधित हो जाता है। इसके कारण वे जो संकेत देना चाहते हैं, वह सही ढंग से पहुंच नहीं पाता। इस गलत संचार (मिसकम्युनिकेशन) का प्रभाव केवल उस एक पक्षी पर ही नहीं, बल्कि उसके पूरे जीवनचक्र और उससे जुड़े अन्य पक्षियों पर भी पड़ता है। इस शोर और कोलाहल के कारण कई पक्षियों की प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और अनेक प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं।

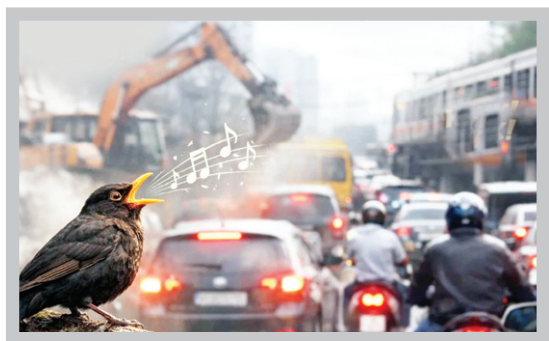

चिंताजनक बात यह भी है कि ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव पक्षियों की प्रजनन क्षमता पर भी पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार, पक्षी अपने स्वर, गायन और नृत्य के माध्यम से साथी का चयन करते हैं। जोड़ी बनाने में उनका स्वर सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथी का चयन, उसे प्रजनन के लिए आकर्षित करना, मनाना और जोड़ी बनाना, यह सब ध्वनि के आदान-प्रदान पर आधारित है। विशेषज्ञों के अनुसार, मादा पक्षी उसी नर को चुनती है, जिसकी आवाज स्पष्ट हो, जिसका गीत मनमोहक और शक्तिशाली हो तथा जिसकी ध्वनि-तरंगें दूर तक पहुंचती हों। मादा पक्षी मानती है कि ऐसा नर आनुवंशिक रूप से श्रेष्ठ गुणों वाला होगा और स्वस्थ संतानों को जन्म देने में सक्षम होगा। स्थिति यह हो गई है कि चारों ओर शोर बढ़ गया है। इसके कारण पक्षियों को अपने स्वर और गायन में परिवर्तन करना पड़ रहा है। वे अब बहुत ऊंचे स्तर पर आवाज निकाल रहे हैं या फिर अपना गीत छोटा करके नृत्य पर अधिक बल दे रहे हैं। उनके द्वारा किया गया यह परिवर्तन समस्या का अस्थाई समाधान हो सकता है, लेकिन उसकी मधुरता और प्रभाव कम हो गए हैं। इसके कारण मादाओं की अंडे देने की क्षमता पर भी असर पड़ा है। पक्षियों के अंडों की संख्या घट रही है। इसके अलावा अंडों से बच्चों के निकलने की समयावधि में भी परिवर्तन देखा जा रहा है। कई बार अंडों का निषेचन भी सफल नहीं हो पाता। इसके परिणामस्वरूप अनेक प्रजातियों की संख्या में भारी कमी आई है। एक और गंभीर प्रभाव यह है कि पक्षियों में तनाव का स्तर बढ़ गया है। ध्वनि प्रदूषण के कारण वे शिकारी की पहचान नहीं कर पाते, खतरे के संकेतों को समझ नहीं पाते और सतर्क नहीं हो पाते। सामान्यतः प्राकृतिक वातावरण में पत्तों की सरसराहट, टहनियों की आवाज, अन्य पक्षियों की चेतावनी या भय का संकेत बाकी पक्षियों को सावधान कर देता है। लेकिन जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ा है, जंगल घटे हैं और शोर बढ़ा है, पक्षियों का यह सांकेतिक तंत्र कमजोर पड़ गया है। परिणामस्वरूप उन्हें लगातार सतर्क रहना पड़ता है। उनकी नींद, विश्राम, भोजन और अन्य गतिविधियों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। लगातार सतर्क रहने के कारण दीर्घकाल में उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो रही है। ध्वनि प्रदूषण के कारण पक्षियों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य द्वारा फैलाए जा रहे ध्वनि प्रदूषण, कृत्रिम प्रकाश प्रदूषण और मोबाइल टावरों से निकलने वाली तरंगों के कारण भी पक्षियों को भारी नुकसान हुआ है। पक्षी अपने दैनिक जीवन में भी अपने पूरे आवास क्षेत्र में उड़ते रहते हैं, भोजन खोजते हैं, साथी ढूंढते हैं और जीवन व्यतीत करते हैं। इसके अलावा सर्दियों में बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी प्रवास करके विभिन्न स्थानों पर आते हैं। भारत सहित कई देशों में भी विदेशों से पक्षी आते हैं। ये पक्षी ध्वनि तरंगों के माध्यम से अपनी यात्रा की दिशा, गति और स्थान निर्धारित करते हैं। यही ध्वनि तरंगें उनके मुख्य संकेत होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान का तीव्र शोर, रात में लगातार जलती रोशनी, अत्यधिक कृत्रिम प्रकाश और मोबाइल टावरों से निकलने वाली तरंगें पक्षियों के प्राकृतिक नेविगेशन तंत्र को बाधित करती हैं।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

शोक सभाओं का दुर्भाग्यपूर्ण भव्यकरण...

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके उत्सवों से नहीं, बल्कि उसके शोक से होती है। समाज दुःख को किस तरह ग्रहण करता है, उसे किस गरिमा और संवेदनशीलता के साथ व्यक्त करता है—यही उसकी मानवीय परिपक्वता का पैमाना है। दुर्भाग्यवश, आज हमारा समाज इस कसौटी पर खरा उतरता हुआ नहीं दिखता। शोक सभाएं, जो कभी दुःख बांटने और शोकाकुल परिवार को संबल देने का सहज माध्यम थीं, अब धीरे-धीरे भव्यता, प्रदर्शन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा का मंच बनती जा रही हैं।

आज देश के अनेक हिस्सों में प्रमुख अखबारों के पन्ने पलटते समय यह दृश्य सामान्य हो गया है कि एक ही व्यक्ति के लिए दस, बीस या पचास शोक संदेश एक ही दिन प्रकाशित हो रहे हैं। वे भी साधारण नहीं, बल्कि रंगीन, बड़े फॉन्ट में, कई बार पूरे-पूरे पृष्ठों पर। शोक संदेश अब सूचना नहीं, बल्कि विज्ञापन का रूप ले चुके हैं। कभी छहझसात पंक्तियों का श्वेत-श्याम शोक संदेश ही यह बताने के लिए पर्याप्त होता था कि अमुक व्यक्ति का निधन हो गया है और अमुक स्थान पर शोक सभा आयोजित है। रिश्तेदार और परिचित बिना किसी तामझाम के पहुंच जाते थे। उस समय शोक की अभिव्यक्ति में सादगी थी, मौन था और आत्मीयता थी। समय के साथ यह सादगी कहीं खोती चली गई। आज शोक संदेश का आकार, उसका रंग, उसका स्थान और उसका खर्च—सब कुछ सामाजिक हैसियत का प्रतीक बन गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मृत्यु जैसे अंतिम सत्य को भी हमने स्टेटस सिंबल में बदल दिया है। अब यह देखा जाता है कि किस परिवार ने कितना बड़ा शोक संदेश दिया, किसने रंगीन दिया और किसका संदेश पहले पन्ने पर छपा। शोक सभाओं का स्वरूप भी इसी प्रवृत्ति का प्रतिबिंब बन गया है। अब साधारण बैठक या घर के आंगन में बैठकर संवेदना प्रकट करने का चलन कम होता जा रहा है। उसकी जगह विशाल मंडप, सजे हुए पंडाल, सफेद पर्दे, कालीन और भव्य साज-सज्जा ने ले ली है। कई बार तो शोक सभा किसी बड़े बैंक्वेट हॉल या मैरिज गार्डन में आयोजित की जाती है, जहां का वातावरण शोक से अधिक किसी सामाजिक समारोह जैसा प्रतीत होता है। मंच पर मृतक का बड़ा, सुसज्जित चित्र रखा जाता है, पुष्पमालाओं और सजावटी रोशनी के बीच। शोकाकुल परिवार के सदस्य भी पूरी तरह सज-संवरकर आते हैं। उनका पहनावा, उनकी देहभाषा और उनका व्यवहार किसी गहरे दुःख की अनुभूति नहीं कराता। ऐसा नहीं है कि वे दुःखी नहीं हैं, लेकिन शोक की वह स्वाभाविक सादगी, वह मौन पीड़ा, इस भव्यता में दब जाती है। शोक सभा में उपस्थित लोगों की संख्या अब संवेदना का नहीं, बल्कि प्रतिष्ठा का पैमाना बन चुकी है। कितने लोग आए, कितनी गाड़ियां आईं, कितने नेता पहुंचे, कितने अधिकारी आए—इन सबकी गिनती और चर्चा होती है। शोक सभा समाप्त होने के बाद भी यह मूल्यांकन चलता रहता है कि ह्लअमुक व्यक्ति तो आया ही नहींह्व या ह्लफलां बड़े साहब भी पहुंचे थे ह्व मानो शोक सभा मृतक के प्रति श्रद्धांजलि न होकर सामाजिक शक्ति प्रदर्शन का अवसर हो। यह प्रवृत्ति केवल तथाकथित उच्च वर्ग तक सीमित नहीं रही है। छोटे और मध्यमवर्गीय परिवार भी अब इस होड़ में शामिल होते जा रहे हैं। वे जानते हैं कि इस तरह का आयोजन उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर है, फिर भी सामाजिक दबाव के कारण वे पीछे हट नहीं पाते। परिणामस्वरूप शोक सभा, जो मानसिक संबल देने का अवसर होनी चाहिए, आर्थिक बोझ में बदल जाती है। कई परिवार इस बोझ को उठाने में कठिनाई महसूस करते हैं, लेकिन ह्ललोग क्या कहेंगेह्व के भय से मजबूरी में यह सब करते हैं। इस भव्य आयोजन में खान-पान की व्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण तत्व बन गई है। चाय, कॉफी, मिनरल वाटर, नाश्ता और कई बार भोजन तक की व्यवस्था की जाती है। इन व्यवस्थाओं की गुणवत्ता और विविधता पर भी ध्यान दिया जाता है। यह दृश्य उस मूल भावना से बिल्कुल विपरीत है, जिसके तहत शोक सभा का आयोजन किया जाता है। शोक सभा का उद्देश्य लोगों को खिलाना नहीं, बल्कि शोकाकुल परिवार के दुःख में सहभागी बनना है। शोक सभाओं में शामिल होने वाला व्यक्ति भी कई बार असमंजस में पड़ जाता है। वातावरण देखकर यह महसूस ही नहीं होता कि वह किसी शोक सभा में आया है। नए-नए रिवाज गढ़ लिए गए हैं, जबकि पुराने, सरल और गरिमामय रिवाज धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं। एक और चिंताजनक पहलू यह है कि पुण्य स्मृति और पुण्य तिथि जैसे अत्यंत निजी भाव भी अब सार्वजनिक प्रदर्शन का माध्यम बनते जा रहे हैं। किसी प्रियजन को याद करना एक व्यक्तिगत अनुभूति है। उसकी स्मृति मन में, परिवार के बीच और सादगी के साथ जीवित रहनी चाहिए। फिर यह आवश्यकता क्यों महसूस होती है कि बरस दर बरस अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर पूरे समाज को बताया जाए कि आप आज भी अपने प्रिय को याद करते हैं? क्या स्मरण का मूल्य उसके प्रचार में निहित है? यह प्रश्न केवल परंपरा का नहीं, बल्कि संवेदनशीलता का भी है। जब निजी दुःख सार्वजनिक दिखावे में बदल जाता है, तो उसकी आत्मा खो जाती है। शोक, जो आत्ममंथन और विनम्रता का अवसर होना चाहिए, वह अहं और प्रदर्शन का साधन बन जाता है। समय आ गया है कि समाज इस प्रवृत्ति पर गंभीरता से विचार करे। हमें यह समझना होगा कि मृत्यु किसी की सामाजिक हैसियत नहीं पूछती। वह सबको समान बना देती है। ऐसे में शोक की अभिव्यक्ति भी समान, सरल और गरिमामय होनी चाहिए। शोक सभा का उद्देश्य मृतक के प्रति श्रद्धांजलि देना और जीवितों को सांत्वना देना है, न कि समाज के सामने अपनी सामर्थ्य का प्रदर्शन करना। मीडिया, सामाजिक नेतृत्व और स्वयं समाज को मिलकर इस दिशा में आत्मसंयम दिखाना होगा। अखबारों को भी यह सोचना चाहिए कि शोक संदेशों को विज्ञापन के रूप में बढ़ावा देना कहीं इस प्रवृत्ति को और तो नहीं बढ़ा रहा।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

आध्यात्मिक आकाश का प्रकाश

चिन्मय आकाश में न तो सूर्यप्रकाश की आवश्यकता है, न चन्द्रप्रकाश अथवा अग्नि या बिजली की, क्योंकि सारे लोक स्वयं प्रकाशित हैं। इस ब्रह्मांड में केवल एक लोक-सूर्य, ऐसा है जो स्वयं प्रकाशित है। लेकिन आध्यात्मिक आकाश में सभी लोक स्वयं प्रकाशित हैं। उन समस्त लोकों के (जिन्हें वैकुण्ठ कहा जाता है) चमचमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है, जिसे ब्रह्मज्योति कहते हैं। इस तेज का एक अंश महत-तत्व अर्थात जगत से आच्छादित रहता है। जब तक जीव इस अंधकारमय जगत में रहता है, तब तक वह बद्ध अवस्था में होता है। लेकिन ज्यों ही वह भौतिक जगत रूपी मिथ्या, विकृत वृक्ष को काटकर आध्यात्मिक आकाश में पहुंचता है, त्यों ही मुक्त हो जाता है। तब वह यहां वापस लेकिन अपनी मुक्त अवस्था में आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश करता है और परमेर का पार्षद बन जाता है। वहां पर वह सच्चिदानंदमय जीवन बिताता है।

जो इस संसार से अत्यधिक आसक्त है, उसके लिए इस आसक्ति का छेदन करना दुष्कर होता है। लेकिन यदि वह कृष्णभावनामृत को ग्रहण कर ले, तो उसके क्रमशः छूट जाने की संभावना है। उसे ऐसे भक्तों की संगति करनी चाहिए जो कृष्णभावनाभावित होते हैं। उसे ऐसा समाज खोजना चाहिए, जो कृष्णभावनामृत के प्रति समर्पित हो और उसे भक्ति करनी सीखनी चाहिए। इस प्रकार वह संसार के प्रति अपनी आसक्ति विच्छेद कर सकता है। यदि कोई चाहे कि केसरिया वस्त्र पहनने से भौतिक जगत के आकर्षण से विच्छेद हो जाएगा, तो ऐसा संभव नहीं है। उसे भगवद्भक्ति के प्रति आसक्त होना पड़ेगा। यहां परमं मम शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं। वास्तव में जगत का कोना-कोना भगवान की सम्पत्ति है, परंतु दिव्य जगत परम है और छह ऐयरे से पूर्ण है। कठोपनिषद् में भी इसकी पुष्टि की गई है कि दिव्य जगत में सूर्यप्रकाश, चन्द्र प्रकाश या तारागण की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि समस्त आध्यात्मिक आकाश भगवान की आन्तरिक शक्ति से प्रकाशमान है। उस परम धाम तक केवल शरणागति से ही पहुंचा जा सकता है, अन्य किसी साधन से नहीं।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले सकरात्मक संकेतों के बाद भी आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण आई है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाबा बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक टूटकर 83,674.92 और 50 शेयरों वाला एनएस निफ्टी 146.65 अंक फिसलकर 25,807.20 पर बंद हुआ। इन दौरान निफ्टी आईटी शेयरों में भारी गिरावट रही और ये 5.51 फीसदी टूटकर बंद हुए। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी सर्विसेज), निफ्टी एनर्जी और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट रही।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के

शेयरों में तेजी रही। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 283.70 अंक फिसलकर 60,470.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 110.90 अंक नीचे आकर 17,344.10 पर बंद हुआ।सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एसबीआई, टाइटन, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, भारती एयरटेल और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे थे जबकि टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, एमएंडएम, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरूआत कमजोरी के साथ हुई। आईटी कंपनियों में तेज बिकवाली के चलते बाजार पर दबाव बना रहा। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 409 अंकों की गिरावट के साथ 83,825 के स्तर पर पहुंच गयावहीं निफ्टी भी 113 अंक फिसलकर 25,841 पर आ गया।। वहीं आज एशियाई बाजारों में मजबूती रही। जापान का निक्केई 225 पहली बार 58,000 के स्तर को पार कर गया। निक्केई 225 में 0.5 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1.9 फीसदी उछला। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स 200 सूचकांक 0.6 फीसदी बढ़ा। वहीं अमेरिका में बुधवार को प्रमुख सूचकांक हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 लगभग स्थिर रहा जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.16 फीसदी फिसला और डॉव जोन्स 0.13 फीसदी गिरा।

सैमसंग पेश करेगा नया गैलेक्सी एस26 एआई स्मार्टफोन

नई दिल्ली ■

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इस महीने अमेरिका में होने वाले गैलेक्सी अनपैक्ड 2026 इवेंट में अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन पेश करेगा। कार्यक्रम 25 फरवरी, को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होगा। कंपनी ने अपने आमंत्रण में कहा- द नेक्स्ट एआई फोन मेक्स योर लाइफ ईजियर। नए स्मार्टफोन, संभवतः गैलेक्सी एस26, में उन्नत एआई फीचर्स होंगे। यह फोन रोजमर्रा के काम आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और गैलेक्सी एआई को सहज रूप से एकीकृत करने के लिए डिजाइन किया गया है। फोन में नया प्राइवेसी फीचर भी शामिल होगा, जिससे यूजर्स स्क्रीन की जानकारी दूसरों से छिपा सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त

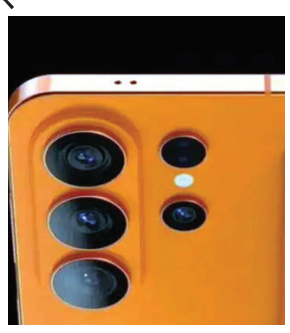

स्क्रीन गार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। यूजर्स विभिन्न सेटिंग्स के माध्यम से स्क्रीन की विज़िबिलिटी नियंत्रित कर पाएंगे, जिससे शोल्डर सर्फिंग से बचाव होगा। सैमसंग ने इस तकनीक को विकसित करने में पांच साल से अधिक समय लगाया। यह फीचर विशेष रूप से एस26 अल्ट्रा मॉडल में उपलब्ध हो सकता है और एआई के नए दौर की शुरूआत का संकेत देता है।

ऑटो इंडस्ट्री में डेटा गोपनीयता जरूरी, बिक्री में भी रिकॉर्ड वृद्धि

नई दिल्ली। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के एक अधिकारी ने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग में इनोवेशन ग्राहकों के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा के भीतर होना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम में बताया कि इलेक्ट्रिक और पारंपरिक इंजन वाले वाहनों से ग्राहक से जुड़े कई तरह के डेटा निकलते हैं, जैसे डैशकैम का वीडियो फीड और इंफोटेनमेंट सिस्टम में जुड़े फोन नंबर। अधिकारी के अनुसार, इन सिद्धांतों का कार्यान्वयन तभी संभव है जब आप अपने सिस्टम को गोपनीयता को ध्यान में रखकर डिजाइन करें, अपने सिस्टम को सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिजाइन करें और इसका अर्थ यह है कि आप डेटा का सही तरीके से वर्गीकरण करें।

सोने-चांदी के दामों में गिरावट

नई दिल्ली ■

सोने-चांदी के कारोबार में गुरुवार को गिरावट देखने को मिल रही है। गुरुवार को दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,57,900 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,60,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रही है। सोने के वायदा भाव की शुरूआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 755 रुपये की गिरावट के साथ 1,58,000 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,58,755 रुपये था। इस समय यह 875 रुपये की गिरावट के साथ 1,57,880 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,58,061 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,57,701 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने पिछले महीने 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 1,657 रुपये की गिरावट के साथ 2,61,361 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,63,018 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 2,218 रुपये की गिरावट के साथ 2,60,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,61,924 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,60,453 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

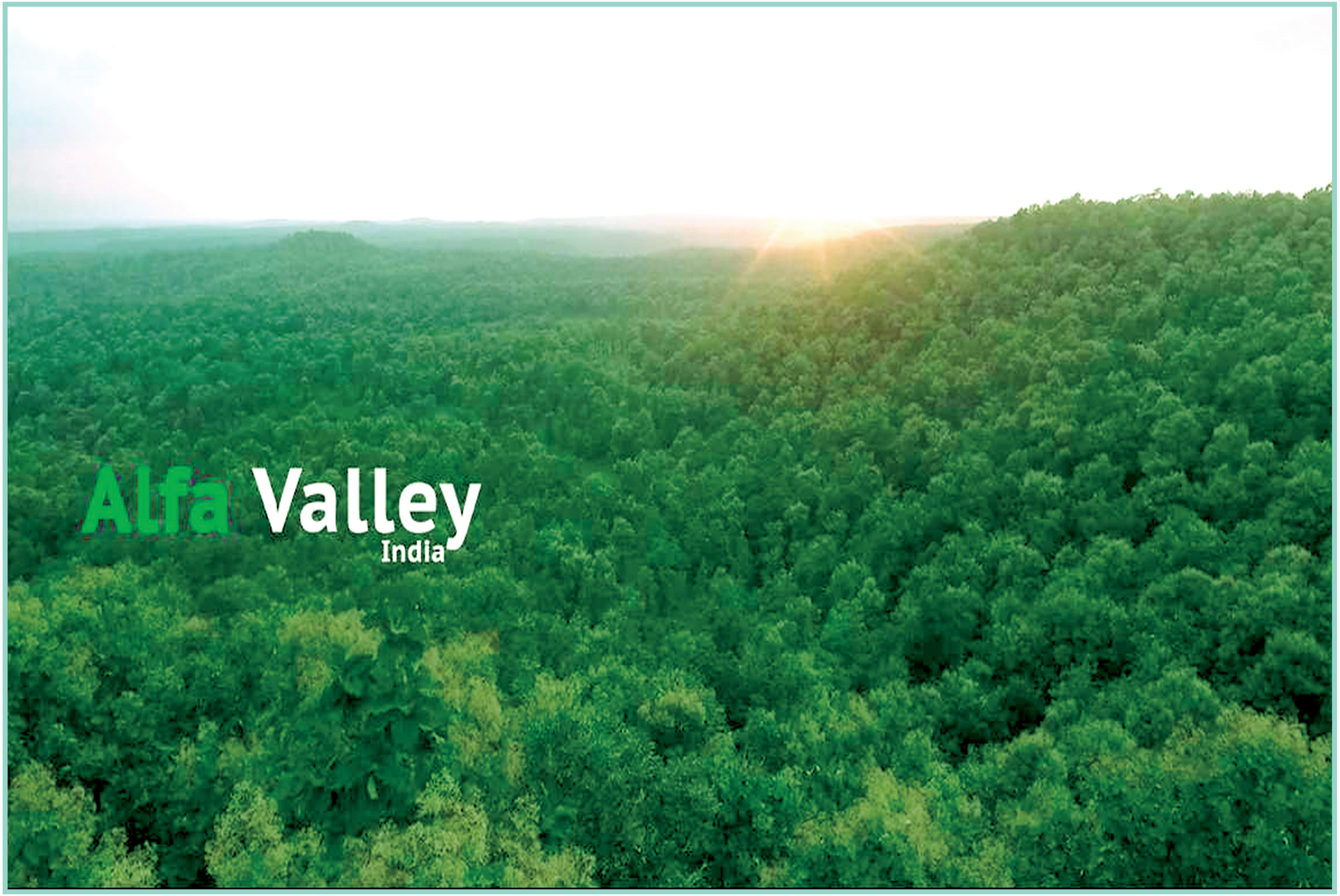

Alfa Valley
India

भारत लगातार दूसरा मैच जीता, नामीबिया 93 रन से हारा

चक्रवर्ती को 3 विकेट, ईशान-पंड्या की फिफ्टी; टीम इंडिया ग्रुप-ए के टॉप पर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के 18वें मैच में नामीबिया को 93 रन से हरा दिया है। वर्ल्डकप में टीम इंडिया की यह लगातार दूसरी जीत है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 9 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए थे। भारत ने आखिरी 4 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे। ईशान किशन ने 61 और हार्दिक पंड्या ने 52 रन बनाए। नामीबिया से कप्तान जेरार्ड इरासमस ने 4 विकेट लिए। 210 रन का टारगेट चेज करने उतरी नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में 116 रन पर ऑलआउट हो गई। वरुण चक्रवर्ती ने 3, अक्षर और हार्दिक ने 2-2 विकेट लिए। नामीबिया की ओर से लौरेन स्टीनकैंप ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए।

जैन ग्रीन हिटविकेट हुए भारत 93 रन से जीता

19वें ओवर की दूसरी बॉल पर जैन ग्रीन हिटविकेट हो गए। इसी के साथ इंडिया ने यह मैच 93 रन से जीता लिया है। 17वें ओवर की चौथी बॉल पर नामीबिया का 7वां बैटर आउट हुआ। जसप्रीत बुमराह ने रूबन ट्रम्पलमैन (6 रन) को बोल्ड कर दिया। इस ओवर से महज 5 रन आए। 16वें ओवर में शिवम दुबे ने महज 5 रन दिए। इस ओवर में भी कोई बाउंड्री नहीं आई। 15वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने महज 5 रन खर्च किए। इस ओवर में पंड्या ने कोई बाउंड्री खर्च नहीं की। 14वें ओवर में नामीबिया ने 100 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया। जसप्रीत बुमराह के इस ओवर से 4 रन आए। उन्होंने इस ओवर में कोई बाउंड्री नहीं दी।

अक्षर को 2 विकेट

अक्षर पटेल ने नमीबिया के दो बैटर्स को आउट कर दिया। अक्षर ने 11वें ओवर में कप्तान जेरार्ड इरास्मस (18 रन) को

तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। उसके बाद 13वें ओवर में मलान करुगेर (5 रन) को अक्षर पटेल ने जसप्रीत बुमराह के हाथों कैच कराया। वरुण चक्रवर्ती ने जेजे स्मिट (जीरो) और जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन (13 रन) को एक ही ओवर में पवेलियन भेजा। उन्होंने लौरेन स्टीनकैंप (29 रन) को भी आउट किया। 9वां ओवर अक्षर पटेल ने डाला। उनके इस ओवर में कप्तान जेरार्ड इरास्मस ने दो छक्के लगाए। उन्होंने दूसरी और चौथी बॉल पर छक्का लगाया। इस ओवर से 14 रन आए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: संजू सैमसन, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह।

नामीबिया: लौरेन स्टीनकैंप, जैन फ्रायलिंक, जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन, जेरार्ड इरास्मस (कप्तान), जेजे स्मिट, जैन ग्रीन (विकेटकीपर), रूबन ट्रम्पलमैन, मलान करुगेर, बर्नार्ड शोल्ट्ज, बेन शिकोंगो और मैक्स हिंगो।

अर्शदीप का रोनाल्डो जैसा सेलिब्रेशन

चक्रवर्ती ने भारत को दूसरा विकेट दिलाया, स्टीनकैंप आउट 8वें ओवर की दूसरी बॉल पर भारतीय टीम को दूसरा विकेट मिला। यह विकेट वरुण चक्रवर्ती ने दिलाया। उन्होंने लौरेन स्टीनकैंप को बोल्ड कर दिया। स्टीनकैंप 29 रन बनाकर आउट हुए। 7वें ओवर की तीसरी बॉल पर जसप्रीत बुमराह ने लौरेन स्टीनकैंप को यॉर्कर पर बोल्ड किया, लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिला। क्योंकि, यह बॉल फ्री-हिट थी। बुमराह की दूसरी बॉल नो रही थी। जसप्रीत के इस ओवर से 10 रन आए।

मनोरंजन

हमेशा अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि सतीश पेडनेकर हमेशा ग्लैमर और ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। भूमि पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉर्मूले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के ज़रिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है। अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है। भूमि की फिल्मों और शोज़ में दिखावा कम और कंटेंट ज़्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं। दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे ज़रूरी है। बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेज़न प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है। यह सीरीज़ अमेरिका, यूके, यूएई समेत कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर में सराही जा रही है। इसकी सफलता भूमि की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और उन्हें भारत की सबसे भरोसेमंद और निडर अभिनेत्रियों में शामिल करती है।

अहान संगीत से करते हैं शूटिंग से पहले की घबराहट पर काबू

महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग से पहले अपनी नर्वसनेस पर काबू पाने को लेकर बॉलीवुड के नवोदित एक्टर अहान शेट्टी ने बताया कि उनके लिए सबसे बड़ा सहारा म्यूज़िक है, जो उन्हें मानसिक रूप से तैयार होने में मदद करता है। एक्टर ने बताया कि किसी भी सीन से पहले वे नॉइज़ कैंसिलिंग हेडफोन लगाकर अपनी वैन या अकेले टेंट में बैठ जाते हैं और संगीत सुनते हैं। उन्होंने कहा कि वे हर सीन के मूड के अनुसार अलग-अलग जॉनर का म्यूज़िक चुनते हैं ताकि वह उस भाव से पूरी तरह जुड़ सकें। म्यूज़िक की यह प्रक्रिया उन्हें बाहरी हलचल और प्रेशर से अलग कर देती है और वे पूरी तरह सीन पर फोकस कर पाते हैं। अहान घबराहट पूरी तरह खत्म तो नहीं होती, लेकिन संगीत के जरिए वह उसे मैनेज कर लेते हैं। 'बॉर्डर 2' में अहान ने एक नेवी ऑफिसर की भूमिका निभाई है, जिसके लिए उन्हें पानी के अंदर फिल्माए गए कई दृश्यों की तैयारी करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि कोविड काल के दौरान 2020 में उन्होंने पैडी लाइसेंस हासिल किया था, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्कूबा डाइविंग सर्टिफिकेशन है। इसके लिए थ्योरी, पूल ट्रेनिंग और ओपन-वॉटर डाइव जैसी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। अहान ने बताया कि बचपन में वे स्कूल की स्विमिंग टीम का हिस्सा थे, जिससे पानी में रहना उनके लिए काफी आरामदायक रहा। जब डायरेक्टर अनुराग सिंह ने कहानी के साथ पानी के सीक्वेंस बताए, तो वे और भी उत्साहित हो गए।

अरिजीत के निर्णय को सम्मान देना चाहिए: अली

बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट की घोषणा को लेकर श्रेया घोषाल, चिन्मयी और शिल्पा राव के बाद अब मशहूर सिंगर-कंपोजर लकी अली ने भी अपनी बात रखी है। उन्होंने अरिजीत के फैसले को एक बेहद व्यक्तिगत और गहराई से जुड़ा कदम बताया और कहा कि इसे जज नहीं, सम्मान देना चाहिए। लकी अली ने एक इंटरव्यू में कहा कि किसी कलाकार का ऐसा निर्णय हमेशा किसी गहरे भावनात्मक अनुभव या टूटन से उपजता है। उन्होंने कहा, यह समझने के लिए कि एक म्यूज़िशियन क्या महसूस कर रहा है, आपको उसकी जगह खुद को रखना होगा। अगर अरिजीत ने यह कदम उठाया है, तो निश्चित ही उसके भीतर कुछ टूटा होगा। जब मैंने उनका स्टैंड देखा, तो मैं उससे पूरी तरह सहमत था। यह कोई नुकसान नहीं है। वह गाना जारी रखेंगे, लेकिन पहले जैसी परिस्थितियों में नहीं। लकी अली ने संगीत करियर की वास्तविकताओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि म्यूज़िक इंडस्ट्री में कोई चीज आसानी से नहीं मिलती। आपको कुछ भी थाली में परोसकर नहीं दिया जाता। आपको अपना काम ईमानदारी से, पूरी क्षमता के साथ करना होता है। जब आप अपनी राह खुद बनाना सीख जाते हैं, तो आगे बढ़ने का आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन सफर कभी आसान नहीं होता। इस दौरान उन्होंने अरिजीत की घोषणा का संदर्भ भी दोहराया। अरिजीत सिंह ने कुछ दिन पहले अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा था कि वे अब प्लेबैक सिंगर के तौर पर कोई नया असाइनमेंट नहीं लेंगे। उन्होंने इसे एक शानदार सफर बताते हुए श्रोताओं का आभार व्यक्त किया था। यह खबर सामने आते ही उनके प्रशंसकों में निराशा और भावुक प्रतिक्रिया देखने को मिली। लकी अली के बारे में बात करें तो वे भारतीय पॉप और सूफी संगीत की दुनिया के एक प्रतिष्ठित नाम हैं।

महान टेनिस प्लेयर फेडरर टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल, सम्मान समारोह के टिकट दो मिनट में बिके

न्यूपोर्ट (अमेरिका) ■ एजेंसी

रोजर फेडरर ने भले ही टेनिस को अलविदा कह दिया हो, लेकिन उनका जादू अब भी प्रशंसकों पर सर चढ़कर बोलता है जिसकी बानगी यहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के समारोह के टिकटों की भारी मांग में देखने में मिली।

फेडरर से जुड़े इस समारोह के सभी टिकट दो मिनट में बिक गए। आयोजकों ने आउटडोर पार्टी के लिए अलग से अतिरिक्त टिकट जारी किए जो हाथों हाथ बिक गए। आखिर में आयोजकों को कहना पड़ा कि उनकी क्षमता सीमित है और वह अधिक टिकट जारी नहीं कर सकते हैं। आयोजक हॉल ऑफ फेम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, एक छोटा लेकिन ऐतिहासिक स्थल होने के कारण हमारी क्षमता सीमित है। हॉल ने कहा कि उसे पहले से ही इस बात का अंदाजा था कि 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब

जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर को लेकर कितना उत्साह होगा। इस दिग्गज टेनिस खिलाड़ी को 29 अगस्त को प्रसारक मैरी कैरिलो के साथ हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। न्यूपोर्ट स्थित इस प्रतिष्ठित हॉल में होने वाले मुख्य समारोह के लिए पहले से उपलब्ध 900 टिकटों के अलावा हॉल अपने 3,600 सीटों वाले स्टेडियम को एक विशेष कार्यक्रम के लिए खोलेगा। इसके बावजूद हॉल की प्रवक्ता मेगन एर्ब्स ने कहा कि 4,500 टिकट दो मिनट के भीतर ही बिक गए।

इटली की टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत, नेपाल को 10 विकेट से हराया

ब्रदर्स की शतकीय साझेदारी दोनों ने फिफ्टी लगाई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इटली ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत हासिल की है। टीम ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। ग्रुप सी के इस मैच में इटली ने 124 रन का टारगेट 12.4 ओवर में बिना नुकसान के चेज कर दिया। मोस्का ब्रदर्स ने शतकीय साझेदारी की। जस्टिन मोस्का ने नाबाद 60 और एंथोनी मोस्का ने नाबाद 62 रन बनाए। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इटली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। नेपाल 19.3 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। नेपाल के आरिफ शेख ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। दीपेंद्र सिंह ऐरी 17 रन, रोहित पौडेल 23 रन और आसिफ शेख 20 रन बनाकर आउट हुए। क्रिशन कालुगामगे ने 3 विकेट झटके। बेन मेनेंटी को 2 विकेट मिला। अली हसन, जेजे स्मट्स और जसप्रीत सिंह को एक-एक विकेट मिला।

एंथोनी के बल्ले से निकली इटली की पहली जीत

इटली ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहला मैच जीत लिया है। टीम ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। इटली ने 124 रन का टारगेट 12.4 ओवर में चेज कर लिया है। 11वें ओवर में इटली ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। जस्टिन मोस्का ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने एंटोनी मोस्का के साथ शतकीय साझेदारी की। 9वें ओवर में नंदन यादव ने 12 रन खर्च किए। नंदन की आखिरी बॉल पर जस्टिन मोस्का ने चौका लगाया। इससे पहले एंथोनी मोस्का ने चौथी बॉल पर छक्का लगाया। दोनों भाई हैं और 92 रन की पार्टनरशिप कर चुके हैं। 7वें ओवर में दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 5 रन खर्च किए। ये सभी रन सिंगल के जरिए आए। इस ओवर के बाद टीम का स्कोर 73/0 रहा। नेपाल 19.3 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में इटली ने 6 ओवर में बिना नुकसान के 68 रन बना लिए हैं। जस्टिन मोस्का और एंथोनी मोस्का क्रीज पर हैं। पहले ओवर की आखिरी बॉल पर इटली के एंथोनी मोस्का ने छक्के से खाता खोला। उन्होंने करण केसी की बॉल को बाउंड्री के बाहर पहुंचाया।

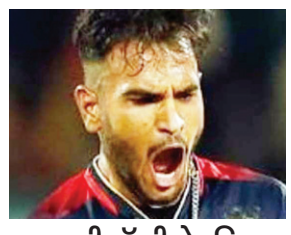

रणजी ट्रॉफी के लिए विजयकुमार की कर्नाटक टीम में वापसी

बेंगलुरु। कर्नाटक ने तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार को उत्तराखंड के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए अपनी टीम में शामिल कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबला 15 फरवरी से लखनऊ में खेला जाएगा। वैसाख चोटिल होने के कारण पिछले दो दौर से टीम के साथ नहीं थी। अब जबकि वह फिट हो गये हैं। टीम ने राहत की सांस ली है। उनके आने से टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। अब विजयकुमार को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिल गयी है। उन्हें तेज गेंदबाज एम वेंकटेश की जगह टीम में शामिल किया गया है। टीम में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं। इसके अलावा बल्लेबाजी की जिम्मेदारी मयंक अग्रवाल, करुण नायर पर भी रहेगी।

घुड़सवारी महासंघ पर आयकर का शिकंजा, 4.62 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 156 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) को पहली बार 4.62 करोड़ रुपये का मांग नोटिस जारी किया है। आधिकारिक दस्तावेजों में यह जानकारी दी गई है। ईएफआई को नौ फरवरी, 2026 के नोटिस में कहा गया है कि इस खेल महासंघ को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 4,62,18,102 रुपये की राशि भुगतान करनी होगी। इस नोटिस की एक प्रति पीटीआई के पास भी है जिसमें कहा गया है कि निर्धारित की गई राशि नोटिस मिलने के 30 दिनों के भीतर किसी अधिकृत बैंक में जमा करनी होगी। ईएफआई के चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा महासंघ के पदाधिकारियों को लिखे गए पत्र के अनुसार, कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना और उन्हें आयकर विभाग के समक्ष पेश करना जरूरी था।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां,
घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चेनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

LITTAL
www.pramodmarutiparts.com

ALFA VALLEY
coming soon...
ALFA VALLEY
"Heal the world, make it a better place,
for you and for me and the entire human race."
Glad to share that we are working on Alfa Valley,
our 220 acre land near Kolar Dam, Bhopal.
The project entails a huge plantation comprising
100000 trees,
water conservation, organic farming and
a wellness center.
Spread across 220 acres of green land in Saras.
Situated near Kolar Dam, Bhopal.
Ample open space around the property.
Fabulous Views over the countryside.
Surrounded by Dam, Trees, Terrains, Grassland, Vegetables, Fruits.
MOB.+91 9977200123 Email-alfavalley@rediffmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **डॉ.शिशिर उपाध्याय**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com